▪ वैशाख कृष्णा - 13 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 266 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 26-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उम्मीद है कि योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे : मांडविया

6 घाटी को अब रक्त नहीं, सख्त निर्णयों की जरूरत

7 अंकिता लोखंडे ने शेयर की अपने पापा से जुड़ी खास यादें

इसरो के पूर्व अध्यक्ष कस्तूरीरंगन का निधन

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की करीब एक दशक तक बागडोर संभालने वाले इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलूरु में निधन हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटे हैं। पिछले कुछ महीने से वह वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। अधिकारियों ने बताया, आज सुबह बेंगलूरु स्थित उनके आवास पर के. कस्तूरीरंगन का निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को 27 अप्रैल को रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह जानकर दुख हुआ कि डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन अब नहीं रहे। इसरो के प्रमुख के रूप में उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' मुर्मू ने कहा, ''उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने में सहायता की, जो अगली पीढ़ी को आकार देने का काम कर रही है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।''

'गांवों को विकसित और स्वावलंबी बनाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वावलंबी और विकसित गांव बनाने के प्रयास का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि लगभग 1500 कलस्टर में लाखों किसानों तक प्राकृतिक खेती को ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। चौहान ने आज यहां स्वदेशी शोध संस्थान के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लाइन संबोधित करते हुए कहा कि सिर्फ आर्थिक रूप से संपन्नता को समृद्धि नहीं माना जा सकता। उन्होंने प्रचीन काल के कई उदाहरण देते हुए कहा,जब पश्चिम के लोग अपने शरीर को पत्तों और छालों से ढ़का करते थे तो हमारे यहां मलमल बन गया था। हमारे ऋषियों ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् यानी सारी दुनिया एक परिवार है। चौहान ने कहा कि देश में खाद्यान्न का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा हैं। जलवायु परिवर्तन के खतरों के बावजूद, बढ़ते हुये तापमान और अनिश्चित मौसम के बावजूद भी देश के खाद्यान्न बढ़ाया है।

कई देशों को अन्न का निर्यात किया है। दलहन और तिलहन का उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लगभग 15 सौ कलस्टर में साढ़े सात लाख किसानों तक प्राकृतिक खेती को ले जाने का प्रयास है ताकि ये किसान अपने खेत के एक हिस्से में प्राकृतिक खेती को प्रारम्भ करें।सभी को धरती को भी कीटनाशकों से बचाना होगा।

कीटनाशकों के कारण कई पक्षियों का नामोनिशान ही मिट गया है और नदियां भी प्रदूषित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांवों को स्वावलंबी और विकसित बनाने के प्रयास करने होंगे। सड़कों का नेटवर्क, गांव में बुनियादी सुविधाएं, पक्का मकान, शुद्ध पीने का पानी, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, स्थानीय बाजार और गांव के लिए जरूरी चीजें गांव में ही उत्पादित की जानी चाहिए।

पाक रेंजर्स ने तीसरे दिन भी बीएसएफ जवान को सौंपने से किया इनकार

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान रेंजर्स ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उस जवान को सौंपने से इनकार कर दिया जो अनजाने में दूसरी तरफ चला गया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पंजाब में फिरोजपुर सीमा पर बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात पूर्णम साहू को बुधवार को पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बीएसएफ ने अपने जवान की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए रेंजर्स से कई बार संपर्क किया और फ्लैग मीटिंग की मांग की, लेकिन अब तक जवाब सकारात्मक नहीं मिला है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद खराब हो गए हैं। आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए हैं। बीएसएफ ने भी अपनी सभी इकाइयों को सतर्क कर दिया है और उन्हें पहलगाम हमले और उससे संबंधित घटनाक्रम के मद्देनजर उत्तर में जम्मू से लेकर पश्चिम में पंजाब, राजस्थान और गुजरात तक फैली 2,289 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा पर कड़ी सतर्कता बरतने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ जवान की शीघ्र रिहाई के लिए रेंजर्स के साथ फील्ड कमांडर स्तर की बैठक की मांग करता रहेगा।

आतंकवाद को हराने के लिए सभी एकजुट हों : राहुल

श्रीनगर/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे का मंसूबा देशवासियों को विभाजित करने और एक भाई को दूसरे भाई से लड़ाने का था, ऐसे में जरूरी है कि आतंकवाद को पराजित करने के लिए सभी एकजुट हों।

कांग्रेस नेता ने हमले में घायल हुए कुछ लोगों का हाल जाना और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर आतंकी हमले के बारे में चर्चा की।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, ''यह एक भयावह त्रासदी है। मैं यहां के हालात जानने और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस हमले की निंदा की है और वे राष्ट्र के साथ हैं। ''

उनका कहना था, ''मैं घायल हुए लोगों में से एक से मिला हूं, अन्य से इसलिए नहीं मिल पाया क्योंकि वे यहां से जा चुके हैं। मेरा प्यार और स्नेह उन सभी लोगों के साथ है, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।''

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक का हवाला देते हुए कहा, ''कल हमने सरकार के साथ बैठक की और पूरे विपक्ष ने इस हमले की निंदा की। इसके साथ ही हमने सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई को पूरा समर्थन दिया है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''जो कुछ हुआ है उसके पीछे समाज को विभाजित करने का मंसूबा है, भाई को भाई से लड़ाने की साजिश है।

'क्रीमिया रूस के साथ रहेगा', यूक्रेन में युद्ध का अंत चाहता हूं: ट्रंप

कीव/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ''क्रीमिया रूस के साथ रहेगा''। साथ ही उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन में युद्ध का अंत चाहते हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का जिक्र करते हुए कहा कि वह (जेलेंस्की) मौजूदा स्थिति को समझते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को 'टाइम' पत्रिका को दिए साक्षात्कार में यह टिप्पणी की। ट्रंप, जेलेंस्की पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता का विरोध करके युद्ध को लम्बा खींचने का आरोप लगाते रहे हैं। क्रीमिया दक्षिणी यूक्रेन में काला सागर के किनारे एक रणनीतिक प्रायद्वीप है। वर्ष 2014 में रूस ने इस पर कब्जा कर लिया था, जब बराक ओबामा अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर थे।

सूर्यास्त 26-04-2025	सूर्योदय 27-04-2025
6:23 बजे	6:49 बजे

BSE	NSE
79,212.53	24,039.35
(-588.90)	(-207.35)

सोना	चांदी
101,126 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

प्रशांत महासागर में 6.3 तीव्रता के भूकंप से इक्वाडोर हिला

क्विटो (इक्वाडोर)/एपी। इक्वाडोर के प्रशांत तट पर शुक्रवार को 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे देश का उत्तरी भाग हिल गया। प्रारंभिक खबरों के अनुसार, कुछ मकानों को नुकसान पहुंचा है लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केन्द्र एस्मेराल्डास शहर से 20.9 किमी उत्तर पूर्व में प्रशांत महासागर में था तथा इसकी गहराई 35 किलोमीटर थी। इक्वाडोर के जोखिम प्रबंधन कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि भूकंप कम से कम 10 प्रांतों में महसूस किया गया, लेकिन वह अभी भी स्थिति पर नजर रख रहा है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्यों जाएं पाकिस्तान

जब देश बँटा था टुकड़ों में,
हम बँटवारे से छले गए।
आजादी के सुख सपन सँजो,
बस आँखें अपनी मले गए।
पीढ़ी बदली बदला सबकुछ,
मिलने के सब सिलसिले गए।
हत्यारों के घर क्यों जाएं,
जिनको जाना था चले गए।।

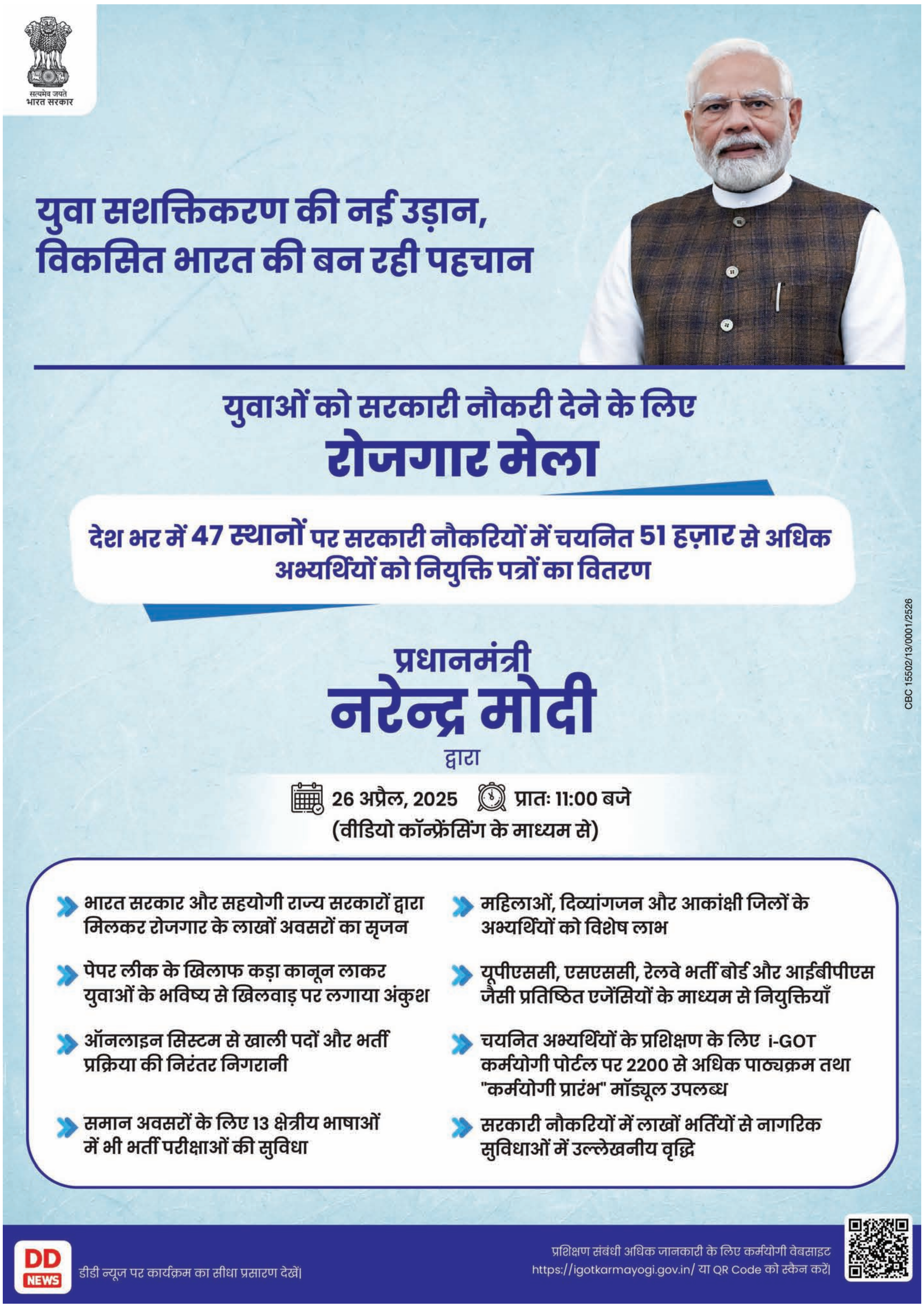

जब तक संगठित नहीं होंगे, आतंकी ताकतें हमें निशाना बनाती रहेंगी: मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना को देश की राष्ट्रीय एकता पर हमला बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इस घिनौनी वारदात ने सभी को एक साथ आने की चुनौती दी है और 'जब तक हम एक नहीं होंगे, तब तक ऐसी ताकतें हमें निशाना बनाती रहेंगी'।

मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान सभा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हमारी विचारधारा सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता जैसे मूल्यों पर आधारित है तथा हम सब को मिलकर बाबा साहब के दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए जाति, भाषा और क्षेत्र के भेदभाव को मिटाकर एक समरस, संगठित और सशक्त भारत का निर्माण करना है। उन्होंने कहा, कश्मीर के पहलगाम की आतंकी घटना राष्ट्रीय एकता पर हमला है और इस घिनौनी वारदात ने हम सभी को एक साथ आने की चुनौती दी है। जब तक हम सभी एक नहीं होंगे, तब तक ऐसी ताकतें हमें निशाना बनाती रहेंगी।

कार्यक्रम में पहलगाम घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में आयोजित ये कार्यक्रम बाबा साहब के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण करने, उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बने हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब

द्वारा समाज के वंचित, शोषित और उपेक्षित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए किया गया संघर्ष हमेशा अमर रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सर्वोच्च सांवधानिक पद तक पहुंचना अंत्योदय के स्वप्न को साकार करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बाबा साहब की जयंती को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया, 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में राष्ट्रीय पर्व घोषित किया, बाबा साहब की पुण्य स्मृतियों से जुड़े प्रमुख स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दलितों के कल्याण के लिए आम बजट में विशेष वृद्धि की गयी है, उनके आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं तथा दलित उत्पीड़न को रोकने के लिए कानून को और अधिक सख्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर नल से जल, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं में गरीबों, शोषितों, वंचितों, आदिवासियों और दलितों को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी प्रदेश के अनुसूचित समाज को सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के साथ ही उनके लिए प्रदेश में निशुल्क 15 छात्रावासों, पांच आवासीय विद्यालयों और तीन आईटीआई का संचालन किया जा रहा है।

गोयल ने इस्पात निर्माताओं से उत्पादन लक्ष्य का पैमाना बढ़ाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि 50 करोड़ टन इस्पात उत्पादन हासिल करने का लक्ष्य काफी कम है और देश में इस धातु की प्रति व्यक्ति खपत बढ़ने के साथ उद्योग को अधिक उत्पादन का लक्ष्य रखना चाहिए।

गोयल इस्पात मंत्रालय और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'स्टील इंडिया 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने उद्योग से कहा, ''स्पष्ट रूप से 50 करोड़ टन (इस्पात उत्पादन) का लक्ष्य कम है। मुझे लगता है कि हमें कम-से-कम अपने निकटतम प्रतिस्पर्धी के स्तर तक जाने की आकांक्षा रखनी चाहिए। हम वर्ष 2047 तक दुनिया के सबसे बड़े इस्पात निर्माता बनने की आकांक्षा क्यों नहीं रख सकते।'' इस्पात उद्योग को देश की अर्थव्यवस्था की 'रीढ़' बताते हुए मंत्री ने देश के विकसित और समृद्ध देश बनने की यात्रा में इस्पात की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''इस्पात जीवन के लगभग हर क्षेत्र का एक आवश्यक घटक है, चाहे वह जहाजरानी, जहाज-निर्माण, रेलवे, रक्षा, वाहन क्षेत्र हो, देश भर में बुनियादी ढांचा हो, यह जीवन के हर क्षेत्र में मौजूद है।'' केंद्रीय मंत्री ने 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने पर सरकार के विशेष ध्यान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत की वर्तमान प्रति व्यक्ति इस्पात खपत 100 किलोग्राम है जो बहुत कम है, और इसे बढ़ाकर 700 किलोग्राम करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (भाषा) आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें दो मई को निर्धारित 65,000 करोड़ रुपए की लागत वाली अमरावती राजधानी परियोजना के शिलान्यास समारोह के लिए आमंत्रित किया।

सूत्रों ने बताया कि संक्षिप्त बैठक के दौरान नायडू ने कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर भी चर्चा की। मंगलवार को हुए हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे तथा कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि हमले में मारे गए लोगों में आंध्र प्रदेश के दो लोग - सॉफ्टवेयर इंजीनियर एस मधुसूदन राव और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी जे एस चंद्रमौली भी शामिल हैं। नायडू ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में केंद्र के साथ एकजुटता प्रकट की। मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, '' पहलगाम में हुए भयावह आतंकवादी हमले ने पूरे देश को व्यथित कर दिया है। इस तरह की कायरतापूर्ण हिंसा की जितनी भी निंदा की जाए, कम है।'' उन्होंने कहा, ''आंध्र प्रदेश की सरकार और जनता पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ी है। हम भारत की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व को अपना पूरा समर्थन देने का संकल्प लेते हैं।''

लश्कर के दो आतंकवादियों के घर विस्फोट में नष्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पहलगाम हमला

श्रीनगर/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मुख्य संदिग्ध सहित लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों के घर उस समय नष्ट हो गए, जब वहां रखे गए विस्फोटकों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ये धमाके बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात हुए, जब सुरक्षा बल दक्षिण कश्मीर के बिजबेहरा और त्राल के गुरी गांव में क्रमश: आदिल हुसैन थोकर और आसिफ शेख के घरों की तलाशी ले रहे थे। तभी वहां पहले से रखे विस्फोटकों में विस्फोट हो गया।

अधिकारियों ने दावा किया कि तलाशी अभियान के दौरान परिसर में विस्फोटक पाए गए, जिसके बाद सुरक्षा बलों को घरों में रहने वालों के साथ-साथ पड़ोसियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना पड़ा। उन्होंने बताया कि विस्फोट में दोनों घरों को व्यापक नुकसान हुआ है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले का निवासी थोकर मंगलवार को हुए पहलगाम हत्याकांड का मुख्य आरोपी है, जबकि पुलवामा जिले के त्राल निवासी शेख पर हमले की साजिश में शामिल होने का संदेह है।

दोनों व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों ने दावा किया है कि उन्हें थोकर और शेख के ठिकाने के बारे में जानकारी नहीं है। अनंतनाग जिले के लोकप्रिय पर्यटन शहर पहलगाम के निकट एक मैदान में मंगलवार दोपहर आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गये।

पहलगाम हमला समझ से परे, पूरी तरह अस्वीकार्य: मीरवाइज फारूक

श्रीनगर/भाषा। हुर्रियत कांफ्रेंस के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए शुक्रवार को कहा यह समझ से परे है और पूरी तरह से अस्वीकार्य है। मीरवाइज को चार सप्ताह बाद शहर के नौहट्टा इलाके में जामिया मस्जिद में शुक्रवार की सामूहिक नमाज अदा करने की अनुमति दी गई। उन्होंने सरकार से हमले में घायल हुए लोगों से मिलने की अनुमति मांगी। मीरवाइज और मस्जिद में मौजूद लोगों ने पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए नमाज से पहले एक मिनट का मौन रखा। उन्होंने मस्जिद में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, इन हत्याओं ने हमारे दिलों को छलनी कर दिया है। हमने सुना है कि इन लोगों से पहले उनकी धार्मिक पहचान पूछी गई और फिर उनके परिवारों के सामने उनकी हत्या कर दी गई। यह हरकत समझ से परे है।

मीरवाइज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, इन हत्याओं की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, अपनों को खोने का दर्द कश्मीर के लोगों से बेहतर कौन समझ सकता है? मारे गए लोगों के प्रियजनों का दर्द हमसे ज्यादा कौन महसूस कर सकता है? इस घटना ने हमारे दिलों को दुखाया है। कश्मीर के मुख्य मौलवी ने कहा कि कश्मीर के लोग प्रभावित परिवारों के दुख में शामिल हैं और उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें धैर्य प्रदान करें।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 8.31 अरब डॉलर बढ़कर 686.14 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 8.31 अरब डॉलर बढ़कर 686.14 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि लगातार सातवें सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। इसके पहले 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.52 अरब डॉलर बढ़कर 578.49 अरब डॉलर हो गईं।

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.57 अरब डॉलर बढ़कर 84.57 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.51 अरब डॉलर हो गया।

ईपीएफओ ने नौकरी बदलने पर पीएफ खाता की स्थानांतरण प्रक्रिया को आसान बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने नौकरी बदलने पर पीएफ खाता स्थानांतरित करने की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब अधिकांश मामलों में नियोक्ता से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि अब तक भविष्य निधि (पीएफ) जमा के स्थानांतरण में दो कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कार्यालय शामिल होते थे। इनमें एक स्रोत कार्यालय, जहां से पीएफ राशि को स्थानांतरित किया जाता था और दूसरा गंतव्य कार्यालय, जहां अंतिम रूप से राशि जमा की जाती थी। हालांकि अब इस प्रक्रिया को अधिक सरल बनाने के उद्देश्य से ईपीएफओ ने एक संशोधित फॉर्म-13 सॉफ्टवेयर व्यवस्था शुरू करके गंतव्य कार्यालय में सभी स्थानांतरण दावों के अनुमोदन की जरूरत खत्म कर दी है। अब एक बार स्थानांतरण दावा स्रोत कार्यालय में स्वीकृत हो जाता है, तो पिछला खाता स्वचालित रूप से गंतव्य कार्यालय में सदस्य के वर्तमान खाते में स्थानांतरित हो जाएगा, जिससे ईपीएफओ के सदस्यों की सुगमता का उद्देश्य पूरा होगा।

दोपहिया वाहनों के लिए अलग लेन, यातायात कानून सख्ती से लागू करने की जरूरत: विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों ने दोपहिया सवारों की सुरक्षा बढ़ाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए शुक्रवार को ऐसे वाहनों के लिए अलग लेन बनाने और यातायात कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत पर बल दिया।

सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) के अध्यक्ष रोहित बलूजा ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि देश में कुल दोपहिया वाहनों में करीब 44 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) हैं। उन्होंने कहा, जरूरत इस बात की है कि उनके लिए अलग से लेन बनाई जाए, इससे सवारों की सुरक्षा में मदद मिलेगी और दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा, क्योंकि वे पैदल चलने वालों के साथ सबसे कमजोर सड़क उपयोगकर्ता हैं।

'केंद्र का कश्मीर में आतंकवाद समाप्ति का दावा, लेकिन पहलगाम हमले से खामियां उजागर हुईं'

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार लगातार दावा कर रही है कि कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो गया है, लेकिन पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला सुरक्षा में चूक को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सुधारात्मक कदम तत्काल उठाए जाने की जरूरत है।

पवार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम जैसे ''सुरक्षित स्थान'' पर हमले को देखते हुए यह दावा करने में सतर्कता बरते जाने की जरूरत है कि कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो गया है। पवार ने यह भी कहा कि क्योंकि यह आतंकवादी हमला देश के खिलाफ है, इसलिए किसी को भी इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। पहलगाम के निकट बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

पवार ने कहा, ''आतंकवादियों की कार्रवाई भारत के खिलाफ है और जब कोई गतिविधि देश के खिलाफ होती है, तो उसका राजनीतिकरण करने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को लेकर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। पवार ने कहा, ''हमारी तरफ से सांसद सुप्रिया सुले बैठक में शामिल हुईं। मुझे खुशी है कि सभी दलों ने सरकार के साथ सहयोग करने का रुख अपनाया है। जो भी फैसला लिया जाएगा, हम सरकार के साथ हैं और सरकार को इस पर और गंभीरता से विचार करना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''सरकार लगातार दावा करती रहती है कि उन्होंने कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त कर दिया है और अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे खुशी है कि यदि ऐसा (कश्मीर घाटी में आतंकवाद का खात्मा) हो रहा है, लेकिन हाल के आतंकवादी हमले से पता चलता है कि कुछ खामियां हैं और इन खामियों को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाये जाने की जरूरत है।''

अक्षय तृतीया पर हल्के वजन के आभूषणों, अन्य वस्तुओं से सोने की मांग बढ़ेगी: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सोने की कीमतें एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास मंडराने के बीच आभूषण विक्रेताओं को उम्मीद है कि इस अक्षय तृतीया पर हल्के वजन के आभूषणों और अन्य वस्तुओं की उपभोक्ता मांग बढ़ेगी।

अक्षय तृतीया को बहुमूल्य धातुओं को खरीदने के लिहाज से शुभ दिन माना जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला अक्षय तृतीया इस साल 30 अप्रैल को है। अखिल भारतीय रत्न और आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''जैसे-जैसे हम अक्षय तृतीया के करीब पहुंच रहे हैं, सोने का बाजार उत्सुकता से गुलजार हो रहा है। अक्षय तृतीया भारत में अत्यधिक सांस्कृतिक महत्व रखती है, पारंपरिक रूप से सोने की खरीद में वृद्धि का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा कि इस साल सोने की ऊंची कीमतें होने के बावजूद हल्के वजन की वस्तुओं या आभूषणों की अच्छी मांग आने की उम्मीद है।

पीढ़ियों को अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए प्रेरित करता रहेगा कस्तूरीरंगन का दूरदर्शी नेतृत्व : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन के निधन पर दुख जताया और कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व पीढ़ियों को विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए प्रेरित करता रहेगा।

कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलूरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''इसरो के पूर्व अध्यक्ष और भारत की अंतरिक्ष प्रगति के एक महत्वपूर्ण स्तंभ डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन

से दुखी हूं। उनका दूरदर्शी नेतृत्व पीढ़ियों को विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए प्रेरित करता रहेगा। उनके परिवार, सहकर्मियों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।''

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इसरो को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और प्रमुख अंतरिक्ष अभियानों पर काम करने वाले डॉ. के. कस्तूरीरंगन का निधन वैज्ञानिक समुदाय और राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। पद्म विभूषण से सम्मानित कस्तूरीरंगन ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और प्रमुख नीति निर्माण में विभिन्न पदों पर रहते हुए अहम योगदान दिया।'' उन्होंने कहा, ''हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार, सहकर्मियों के साथ हैं।''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाने वाले दूरदर्शी अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के परिवार और सहकर्मियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। विज्ञान और नीति में उनका योगदान अमूल्य था।''

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने भी उनके निधन पर दुख जताया और भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में उनके योगदान और उनके साथ काम करने के अपने निजी अनुभव को साझा किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''के. कस्तूरीरंगन इसरो के चौथे अध्यक्ष थे जिनके नेतृत्व में इसरो ने उल्लेखनीय प्रगति की। विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न सरकारों के सलाहकार कस्तूरीरंगन राज्यसभा के मनोनीत सदस्य होने के साथ-साथ योजना आयोग के सदस्य भी थे।''

रमेश ने कहा, ''मुझे हमारे लंबे और घनिष्ठ सहयोग की याद आती है, खासकर 2006-2014 के दौरान मेरे मंत्रिस्तरीय कार्यकाल के समय। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर हमारी कई बार हुई बातचीत ने इसके बारे में मेरी समझ को काफी समृद्ध किया है। वह अक्सर मुझे बताते थे कि विक्रम साराभाई और सतीश धवन जैसे दो दिग्गजों ने उन पर व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से कितना गहरा प्रभाव डाला है। देश उनका ऋणी है।''

वक्फ विवाद: संसद से पारित कानून संविधान सम्मत, इसलिए रोक न लगाएं- केंद्र ने न्यायालय से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में संशोधित वक्फ अधिनियम का बचाव किया और कहा कि इस कानून पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती, क्योंकि संवैधानिकता की धारणा'' इसके पक्ष में है।

केंद्र ने 1,332 पृष्ठ के प्रारंभिक हलफनामे में शीर्ष अदालत से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया और कहा कि कुछ प्रावधानों के बारे में झूठा विमर्श गढ़ा गया है।

केंद्र सरकार ने कहा, न्यायालय याचिकाओं की सुनवाई के दौरान विभिन्न पहलुओं पर विचार कर सकता है, लेकिन किसी आदेश के प्रतिकूल परिणामों के बारे में जाने बिना पूरी तरह से रोक (या आंशिक रोक) लगाना अनुचित होगा। केंद्र ने प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ से कानून के प्रावधानों पर रोक न लगाने का आग्रह किया। यह पीठ अंतरिम निर्देश पारित करने संबंधी याचिकाओं पर पांच मई को सुनवाई करेगी। सरकार ने दावा किया कि 2013 से अब तक वक्फ संपत्तियों में 116 प्रतिशत की चौंकाने वाली वृद्धि हुई है। केंद्र ने आठ अप्रैल तक वक्फ बाय यूजर संपत्तियों के आवश्यक पंजीकरण को लेकर (याचिकाकर्ताओं की ओर से) दी गयी दलीलों का भी विरोध किया और कहा कि यदि इस प्रावधान के संबंध में अंतरिम आदेश पारित किया गया तो यह न्यायिक आदेश के जरिये विधायी व्यवस्था कायम करने के समान होगा। हलफनामे में इस बात का खंडन किया गया कि कानून में बदलाव के कारण केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में मुसलमान अल्पसंख्यक हो सकते हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि यह कानून वैध है और विधायी शक्ति का जायज तरीके से इस्तेमाल करके बनाया गया है। केंद्र ने कहा कि कानून से वक्फ संस्था मजबूत होगी और संवैधानिक सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित होगा, साथ ही समकालीन युग में वक्फ का समग्र कार्यान्वयन सुगम बनेगा।

हलफनामे में कहा गया है कि कानून में यह स्थापित स्थिति है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी। हलफनामे के अनुसार संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। हलफनामे में कहा गया है, कोई भी अंतरिम आदेश पारित करने से पहले संवैधानिकता की धारणा के स्थापित संवैधानिक सिद्धांतों, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूल्यों आदि का ध्यान रखा जाना चाहिए।

पहलगाम हमला आतंकवाद के वैश्विक खतरा होने की याद दिलाता है : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उद्गमंडलम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को यहां कहा कि पहलगाम आतंकी हमला यह याद दिलाता है कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है। उन्होंने कहा कि मानवता को एकजुट होकर इसका सामना करना होगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोगों से राजनीतिक, व्यक्तिगत और अन्य हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे शांतिप्रिय देश है और 'वसुधैव कुटुंबकम' (दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने का सिद्धांत) में परिलक्षित इसकी सभ्यता की भावना वैश्विक स्तर पर गूंज रही है।

उपराष्ट्रपति ने उधगमंडलम में तमिलनाडु के राज्य, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा, हमने इस सम्मेलन की शुरुआत में मौन रखा। मैं पहलगाम में हुए जघन्य हमले पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करता हूं, जिसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि और कुलपतियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की याद में उपराष्ट्रपति के साथ एक मिनट का मौन रखा।

छात्रों को बदलाव का नेतृत्व करने के लिए पाठ्यक्रम बनाएं कुलपति : धनखड़

उदगमंडलम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से छात्रों को बदलाव का नेतृत्व करने और इसकी दिशा को तय करने के लिए तैयार करने के वास्ते शिक्षा पाठ्यक्रम बनाने की अपील की। साथ ही, उन्होंने उनसे एक-दूसरे के साथ चीजों को साझा करने और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने यहां राजभवन में शुरू हुए राज्य, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, यह अकेले काम करने का समय नहीं है, क्योंकि इस चुनौती का समाधान करना होगा। हमारे पास समय नहीं है।

उन्होंने कहा, हमारा पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए कि छात्रों को केवल बदलाव के अनुरूप ढालने के लिए नहीं, बल्कि परिवर्तन का नेतृत्व करने और उसकी दिशा को निर्धारित करने के लिए तैयार किया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा प्रशासनिक ढांचा दूसरों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए।

धनखड़ ने कहा, मैं इस मंच से यह बताना चाहता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति कोई सरकारी नीति नहीं है। यह राष्ट्र के लिए एक नीति है। इसलिए मैं अपील करता हूं कि अब समय आ गया है कि हम सभी इसे अपनाएं, समझें, इसका क्रियान्वयन करें और लाभ उठाएं।

तमिलनाडु के राज्य विवि के कुलपतियों को राजभवन के सम्मेलन से दूरी बनाने को कहा गया : राज्यपाल रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदगमंडलम। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने आरोप लगाया कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को शुक्रवार को यहां राजभवन में शुरू हुए दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के खिलाफ चेतावनी दी गई थी। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी में कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के लिए आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन में राज्य विश्वविद्यालयों का कोई भी प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ। धनखड़ ने राज्य, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। रवि की

'विचारशील पहल' की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्यपाल ने 2022 में यह पहल की थी और मौजूदा सम्मेलन वार्षिक सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा है।

इससे पहले, रवि ने कहा, दुर्भाग्य से इस सम्मेलन में राज्य विश्वविद्यालय भाग नहीं ले रहे हैं क्योंकि उन्होंने मुझे लिखित रूप से सूचित किया है कि उन्हें राज्य सरकार द्वारा भाग न लेने की चेतावनी दी गई है।

राज्यपाल ने कहा, ''अभी तक, हमारे एक कुलपति पुलिस थाने में थे। कुछ कुलपति ऊटी पहुंचे और कुछ अभूतपूर्व हुआ, जो पहले कभी नहीं हुआ। आधी रात को उनके दरवाजे पर दस्तक हुई और पुलिस की एक विशेष शाखा ने जाकर उनसे कहा कि यदि वे सम्मेलन में भाग लेते हैं, तो वे घर नहीं जा पाएंगे।''

सोशल मीडिया पर पत्रकार के खिलाफ पोस्ट के लिए न्यायालय ने तमिल अभिनेता व नेता शेखर को फटकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने एक पत्रकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अपमानजनक पोस्ट को लेकर शुक्रवार को तमिल अभिनेता व नेता एस. वी. शेखर की आलोचना की और कहा कि उन्होंने एक महिला के खिलाफ घिनौना अभियान चलाया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उन्हें अगली सुनवाई तक आत्मसमर्पण से छूट प्रदान करते हुए कहा कि उन्होंने पत्रकार के प्रति अपने आचरण के लिए कभी माफी नहीं मांगी।

पीठ ने कहा, सबसे पहले, हम इस बात से हैरान हैं कि आप इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। आपने एक महिला के खिलाफ बहुत ही घिनौना अभियान चलाया। आपने सीधे तौर पर उसकी गरिमा पर हमला किया, और वह भी इतने बेशर्मी और असंगत तरीके से। न्यायमूर्ति कांत ने अभिनेता की ओर से पेश हुए वकील बालाजी श्रीनिवासन से कहा कि हो सकता है कि अभिनेता अन्य महिलाओं को भी परेशान कर रहा हो, लेकिन इस बार उनका सामना एक पत्रकार संघ से हुआ है।

श्रीनिवासन ने कहा कि अभिनेता ने संदेश को बिना पढ़े ही 'फॉरवर्ड' कर दिया था और एक घंटे में उसे 'डिलीट' करके माफी मांगी थी। हालांकि, न्यायमूर्ति कांत ने उच्च न्यायालय के आदेश में की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने कभी माफी नहीं मांगी थी तथा केवल औपचारिकता के तौर पर बयान जारी किया था। शेखर के वकील ने शिकायतकर्ता से संपर्क करने और बिना शर्त माफी स्वीकार करने के लिए राजी करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने आदेश पारित किया।

मामला 2018 में की गई शेखर की सोशल मीडिया पोस्ट से संबंधित है, जिसमें महिला पत्रकार के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी गई थी। एक पत्रकार संघ द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने शेखर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

अलियार जलाशय घूमने गए तीन छात्रों की डूबने से मौत

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में लोकप्रिय अलियार जलाशय के पास शुक्रवार को कॉलेज की तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की उम्र 21, 19 और 21 वर्ष है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, चेन्नई के एक कॉलेज में फिजियोथेरेपी के विषय में पढ़ाई करने वाले 29 छात्र अलियार और वालपराई के लोकप्रिय पर्यटन स्थल घूमने गए थे। पुलिस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज सुबह करीब नौ बजे छात्र पास के अलियार जलाशय में घूमने गए थे। नहाते समय उनमें से एक लड़का पुल के पास गहरे पानी में गिर गया।

पुलिस ने बताया, ''छात्र उस जगह पर चले गए थे, जहां आमतौर पर स्थानीय लोग नहाने के लिए नहीं जाते थे क्योंकि वह बहुत गहरा है। अपने दोस्त को बचाने की कोशिश में एक और छात्र डूब गया। अपने दोस्तों को डूबता देख तीसरे छात्र ने भी उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी गहरे पानी में गिर गया और डूब गया।'' पुलिस ने बताया कि करीब एक घंटे बाद स्थानीयों और अग्निशमन एवं बचाव विभाग के कर्मियों की मदद से सभी छात्रों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए पोलाची के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए व्यक्ति को नम आंखों से दी गयी अंतिम विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। एडापल्ली के चंगमपुझा पार्क में बृहस्पतिवार सुबह शोक की लहर छाई रही। नेताओं, अलग-अलग पेशों से जुड़े लोगों, बच्चों बूढ़ों समेत लोगों का हुजूम एन रामचंद्रन (65) को अंतिम विदाई देने के लिए जुटा हुआ था। एन रामचंद्रन पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए थे। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

रामचंद्रन का पार्थिव शरीर चंगमपुझा पार्क और बाद में उनके आवास पर लोगों के श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया । माहौल बहुत ही ग़मगीन था। एक प्राइवेट अस्पताल के शवगृह से शव को सुबह करीब सात बजे लाया गया। यहां शोक संतप्त रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों ने उनके अंतिम दर्शन किए और इसके बाद शव को आमजन की श्रद्धांजलि के लिए रखा गया। लगभग चार घंटे तक श्रद्धांजिल देने वाले लोगों का तांता लगा रहा।

कई लोग उनकी पत्नी शीला, बेटी आरती आर मेनन और बेटे सुरेश मेनन को सांत्वना देते नजर आए। केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर, गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लै, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी, केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव, विपक्ष के नेता वी डी सतीशन, कोच्चि के मेयर एम अनिल कुमार, एर्नाकुलम के जिलाधिकारी एन एस के उमेश, अभिनेता जयसूर्या, केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश देवन रामचंद्रन और अन्य ने भी एन रामचंद्रन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुबह 10 बजे जब भीड़ बढ़ती गई तो पार्थिव शरीर को एडापल्ली के मंगट्टू रोड स्थित उनके आवास पर ले जाया गया, जहां मित्र, पड़ोसी और शुभचिंतक नम आंखों और भारी मन से पार्थिव शरीर को लाए जाने का इंतजार कर रहे थे। दोपहर के समय जब रामचंद्रन की अंतिम यात्रा शुरू हुई तो सैकड़ों लोग इसमें शामिल हुए जो एडापल्ली के शांतिकावदम श्मशान घाट पर समाप्त हुयी। दोपहर करीब एक बजे पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे सुरेश ने चिता को मुखाग्नि दी। इसके बाद चंगमपुझा पार्क में शोक सभा आयोजित की गई।

बाद में भी रामचंद्रन के घर पर आगंतुकों का आना जारी रहा। उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु, पूर्व मंत्री पी के श्रीमती और फिल्म निर्माता मेजर रवि उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने शोक संवेदना व्यक्त की। रामचंद्रन अपनी पत्नी, दुबई में काम करने वाली बेटी और उसके जुड़वां बेटों के साथ कश्मीर में छुट्टियां मना रहे थे। परिजनों के सामने ही गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई।

मंगलवार, 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पर्यटन केंद्र पहलगाम के निकट बैसरन घाटी में आतंकवादियों के हमले में 26 लोग मारे गए। इनमें अधिकतर पर्यटक थे।

पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर अरिजीत सिंह ने चेन्नई का संगीत कार्यक्रम रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मशहूर गायक अरिजीत सिंह ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर चेन्नई में होने वाले अपने आगामी संगीत कार्यक्रम को रद्द कर दिया है। संगीतकार ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर बृहस्पतिवार को एक बयान साझा कर कहा कि चेन्नई में रविवार को उनका प्रस्तावित संगीत कार्यक्रम नहीं होगा। बयान में कहा गया, हाल की दुखद घटना के मद्देनजर आयोजकों और कलाकारों ने इस रविवार 27 अप्रैल को चेन्नई में होने वाले आगामी कार्यक्रम को सामूहिक रूप से रद्द करने का निर्णय लिया है।

इसमें कहा गया, कार्यक्रम की टिकट खरीद चुके लोगों को उनका पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। उन्होंने जिस तरह से पैसे का भुगतान किया था उन्हें उसी तरह पुनर्भुगतान किया जाएगा। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इससे पहले, संगीतकार और गायक अनिरुद्ध रविचंदर ने घोषणा की थी कि एक जून को बेंगलूरु में होने वाले उनके संगीत कार्यक्रम के लिए टिकट की बिक्री स्थगित कर दी गई है।

अभिनेत्रियों पर अश्लील टिप्पणी करने का आरोपी यूट्यूबर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। सोशल मीडिया पर अभिनेत्रियों के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक यूट्यूबर को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर अराट्टन्नन के नाम से जाने जाने वाले संतोष वर्की को एर्नाकुलम उत्तर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि वर्की के खिलाफ सोशल मीडिया मंचों पर अनुचित टिप्पणियों को लेकर शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ गैर-जमानती आरोपों में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने कहा कि अभिनेत्री उषा हसीना ने फिल्मी हस्तियों भाग्यलक्ष्मी और कुक्कू परमेश्वरन के साथ उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतों के अनुसार, वर्की की बार-बार की गईं पोस्ट महिलाओं के प्रति अपमानजनक तथा (फिल्म) उद्योग में कार्यरत महिला कलाकारों के प्रति अनुचित थीं। अभिनेत्री हसीना ने अलप्पुझा के पुलिस उपाधीक्षक को दी गई शिकायत में कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि वर्की की टिप्पणी महिला कलाकारों के प्रति बेहद अपमानजनक है।

अपनी फिल्म समीक्षाओं और मलयालम फिल्म पेशेवरों की आलोचनाओं के लिए लोकप्रिय वर्की ने कथित तौर पर दावा किया था कि फिल्म उद्योग में काम करने वाली सभी महिलाओं का चरित्र संदिग्ध है। पुलिस ने बताया कि उसे पहली बार गिरफ्तार नहीं किया गया है। इससे पहले एक ट्रांसजेंडर मेकअप आर्टिस्ट की शिकायत के बाद उसे हिरासत में लिया गया था।

केनरा रोबेको एएमसी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। संपत्ति प्रबंधन कंपनी (एएमसी) ने ऐसे समय में मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं, जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण आईपीओ बाजार में सुस्ती चल रही है।

बृहस्पतिवार को दाखिल मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक, आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तकों द्वारा 4.98 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा जिसमें कोई नया निर्गम घटक नहीं है। ओएफएस के तहत कंपनी के प्रवर्तक केनरा बैंक 2.59 करोड़ और ओरिक्स कॉर्पोरेशन यूरोप एन.वी. (पूर्व में रोबेको ग्रुप एनवी) 2.39 करोड़ शेयरों की बिक्री करेंगे। केनरा रोबेको एएमसी में केनरा बैंक की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष हिस्सेदारी ओरिक्स कॉर्पोरेशन के पास है। इस आईपीओ के पूरी तरह से ओएफएस आधारित होने से कंपनी को सार्वजनिक निर्गम से कोई धनराशि प्राप्त नहीं होगी। आईपीओ से मिली राशि शेयर बेचने वाले शेयरधारकों को जाएगी।

यह कस्तूरीरंगन का 'करिश्मा' ही था जिसने इसरो को कई सफलताएं दिलाईं : पूर्व इसरो प्रमुख के सहयोगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन के साथ लंबे समय तक काम करने वाले उनके सहयोगियों का कहना है कि वह न केवल अपने कनिष्ठों को प्रेरित करते थे, बल्कि उनकी बातों को भी ध्यान से सुना करते थे और यह उनका ''करिश्मा'' ही था, जिसने अंतरिक्ष एजेंसी को कई सफलताएं दिलाईं। कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलूरु में निधन हो गया। उनके परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष के थे और पिछले कई महीनों से वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। उनके परिवार में दो बेटे हैं। कस्तूरीरंगन के साथ 38 साल तक काम करने वाले जवाहरलाल नेहरू प्लेनेटेरियम (जेएनपी) के निदेशक बी आर गुरुप्रसाद ने कहा, ''इसरो में यह कस्तूरीरंगन का करिश्मा ही था कि चाहे प्रक्षेपण यान हो या उपग्रहों का प्रक्षेपण, सफलताएं उनके कदम चूमती थीं।''

गुरुप्रसाद ने कहा, (इसरो) अध्यक्ष के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान ही पीएसएलवी ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी और सभी पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) रॉकेट उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने में सफल रहे। उनके कार्यकाल के दौरान ही जीएसएलवी (भू तुल्यकालिक प्रक्षेपण यान) ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी। उन्होंने चंद्रयान पर अध्ययन भी शुरू किया और इसे सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और इंजीनियरिंग क्षेत्र के दिग्गजों से मंजूरी दिलवाई। गुरुप्रसाद ने यह भी याद किया कि 28 मार्च 2001 को जीएसएलवी के प्रक्षेपण के दौरान, कुछ सुरक्षा चूक के कारण इसे शुरू में ही रोकना पड़ा था।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि वह वहां खड़े थे और हमसे इस मुद्दे का विश्लेषण करने के लिए कह रहे थे। हम अंततः 18 अप्रैल 2001 को इसे लॉन्च करने में सफल रहे। उन्होंने फिर से पूरे समय अपना धैर्य बनाए रखा। प्रक्षेपण के बाद ही उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनके जीवन के सबसे लंबे '60 मिनट' थे। इसरो के एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए के. आर श्रीधर मूर्ति ने कहा कि वह एक असाधारण नेतृत्वकर्ता थे, जो हमेशा सभी के प्रति निष्पक्ष रहते थे। मूर्ति ने कहा, मुझे याद है कि फ्रांस से लौटने के बाद मैंने उनसे संपर्क किया था, क्योंकि मुझे इसरो के कार्यक्रमों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्योग विकास का ध्यान रखने के लिए कहा गया था। मैंने उनसे एक बड़े परिप्रेक्ष्य के साथ एक चुनौतीपूर्ण कार्य का आग्रह किया, क्योंकि मैं यूरोप में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम कर रहा था।

उन्होंने कहा कि इसके बाद कस्तूरीरंगन ने उन्हें वैज्ञानिक सचिव पद की पेशकश की। मूर्ति ने कहा, ''मैंने इसरो की रणनीतियों और संपर्क कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर उनके साथ मिलकर काम किया।'' मूर्ति ने कहा, उनके साथ हमारी सभी बातचीत में जो बात सबसे अलग थी, वह था उनका नेतृत्व। वह चाहते थे कि संगठन आगे बढ़े और वह कोई भी निर्णय लेने में सभी संबंधित लोगों की भागीदारी पर विश्वास करते थे।'' गुरुप्रसाद ने कहा कि लोग अपने विचारों के साथ उनके पास जाना पसंद करते थे। मूर्ति, खासकर युवा पीढ़ी के बीच इसरो की मौजूदा लोकप्रियता का श्रेय उनकी रणनीतिक सोच को देते हैं।

ईडी ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी से जुड़ी संपत्तियों पर छापे मारे

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक जौहरी से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने की आरोपी महिला से संबंध होने के आरोपों के बीच शुक्रवार को कर्नाटक में कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। कुलकर्णी ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ईडी उनके खिलाफ एक मामले की जांच कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एजेंसी पिछले एक महीने से उन्हें परेशान कर रही है।

उन्होंने कहा, किसी व्यक्ति को परेशान करने की भी कोई सीमा होनी चाहिए। मुझे यह देखकर दुख होता है कि लोग अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं... वे मुझे राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहते हैं और जनता से अलग करना चाहते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके और कथित ठग ऐश्वर्या गौड़ा के बीच कोई वित्तीय लेन-देन हुआ है, तो उन्होंने इससे इनकार किया और कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो आसानी से पता लगाया जा सकता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने ईडी की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया। उन्होंने चामराजनगर में मीडिया से कहा, ईडी की छापेमारी प्रतिशोध की राजनीति का नतीजा है। केंद्र सरकार इस तरह की छापेमारी कराती है। उन्होंने सवाल किया कि ईडी ने भाजपा नेताओं की संपत्तियों पर कभी छापेमारी क्यों नहीं की। उन्होंने पूछा, क्या भाजपा नेता ईमानदार हैं?

बेंगलूरु हवाई अड्डा कार्बन उत्सर्जन में लेवल-5 वाला एशिया का पहला हवाई अड्डा बना

बेंगलूरु। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को हाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र परिषद (एसीआई) एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया क्षेत्रीय महासभा में लेवल पांच की मान्यता प्रदान की गई। यह एशिया का पहला हवाई अड्डा बन गया है जिसे एसीआई के 'एयरपोर्ट कार्बन एक्रेडिटेशन' कार्यक्रम के तहत स्तर पांच की मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता पांच मई 2024 से प्रभावी है। यह महासभा 15 से 17 अप्रैल के बीच नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी।

बेंगलोर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लि. (बीआईएएल) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि बेंगलूरु हवाई अड्डे ने 'स्कोप 1 और 2' ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 95.6 प्रतिशत की कमी हासिल कर यह मान्यता प्राप्त की है, जिससे यह हवाई अड्डा वर्ष 2030 के अपने लक्ष्य से सात साल पहले ही नेट-जीरो' कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करने की स्थिति पर पहुंच गया है। 'स्कोप 1 और 2' ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन किसी कंपनी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को दर्शाते हैं। बीआईएएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरि मरार ने कहा, एसीआई से मिली यह मान्यता इस सामूहिक प्रयास की पुष्टि करती है जो हमने न केवल अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए किया, बल्कि सुरक्षा, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी किया है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में टोंक में उबाल : जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने जलाया पाकिस्तानी झंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में रोष और आक्रोश का माहौल है। राजस्थान के टोंक जिले में यह गुस्सा गुरुवार की रात उस वक्त और मुखर हो गया जब राज्य के जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने टोड़ारायसिंह के मानक चौक बाजार में पाकिस्तान का झंडा जलाकर विरोध दर्ज कराया। रात करीब 8 बजे, हमले में मारे गए 28 लोगों की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जहां दो मिनट का मौन रखकर सभी ने मृतकों को नमन किया। सभा समाप्त होते ही पाकिस्तानी झंडा जलाया गया और पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे नारों से चौक गूंज उठा।

मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सभा में संबोधित करते हुए कहाअब समय आ गया है कि भारत को इन आतंकी ताकतों को निर्णायक जवाब देना चाहिए। धर्म और जाति के नाम पर जो हत्याएं हो रही हैं, वह मानवता के खिलाफ अपराध है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सिर्फ निंदा नहीं, अब कार्रवाई की ज़रूरत है, ताकि भविष्य में कोई ऐसी घिनौनी हरकत दोहराने की हिम्मत न करे। सभा में शामिल लोगों के चेहरे पर आक्रोश साफ झलक रहा था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचालक पुरुषोत्तम शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील भारत और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचे थे। खास बात यह रही कि मंत्री चौधरी स्वयं पाकिस्तानी झंडे को जलाने में आगे रहे, जिससे उनका आक्रोश और दृढ़ता साफ जाहिर हुई।

हमले के बाद से ही पूरे प्रदेश में आक्रोश की लहर चल रही है। कई स्थानों पर स्वत: बाजार बंद रहे, प्रदर्शन, पुतला दहन, और जुलूस निकाले जा रहे हैं। आमजन की यह भावना है कि अब कूटनीतिक जवाब से आगे जाकर निर्णायक कदम उठाए जाएं। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें अब तक की जानकारी के अनुसार 28 लोग, जिनमें पर्यटक और स्थानीय नागरिक शामिल हैं, मारे गए। हमले को घातक और सुनियोजित बताया गया है।

गहलोत ने उधवानी के परिजनों को 50 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले जयपुर के नीरज उधवानी के परिजनों को पचास लाख रुपए का मुआवजा देने की राज्य सरकार से मांग की है। गहलोत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह मांग करते हुए कहा कि हमारी सरकार के समय उदयपुर में आतंकवादी वारदात में कन्हैयालाल साहू की हत्या की गई थी। इस वारदात के पीड़ित परिवार को संबल देने के लिए हमारी सरकार ने 50 लाख रुपये मुआवजा एवं उनके दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दी थी।

उन्होंने कहा मेरी राज्य सरकार से मांग है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले जयपुर के नीरज उधवानी के परिजनों को कम से कम इसी प्रकार का पैकेज दिया जाए जिससे उन पर आश्रित उनकी पत्नी को संबल मिल सके। केन्द्र सरकार तथा दूसरी राज्य सरकारों को भी पीड़ित परिवारों के लिए ऐसी पहल करनी चाहिए।

गलत इलाज से एक व्यक्ति की मौत का आरोप

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले अंतर्गत मुण्डावर कस्बे में एक क्लिनिक संचालक द्वारा कथित रूप से गलत इलाज के चलते एक व्यक्ति की मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार विक्की शर्मा निवासी सागर मोहल्ला, मुण्डावर ने पुलिस में दी गई रिपोर्ट में बताया कि उसके पिताजी राजेश कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए हरसौली रोड स्थित यादव क्लिनिक ले गए। आरोप है कि वहां क्लिनिक संचालक डॉ. अर्जुन यादव एवं उसके भाई ने प्राथमिक उपचार के दौरान एक इंजेक्शन लगाया, जिसके तुरंत बाद राजेश कुमार की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई और उनके मुंह से झाग आने लगे।

विक्की शर्मा ने रिपोर्ट में कहा कि जब स्थिति बिगड़ी तो क्लिनिक संचालक ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए मरीज़ को तुरंत कहीं और ले जाने की सलाह दी। परिजन आनन-फानन में राजेश कुमार को सरकारी अस्पताल लेकर पहुँचे, जहाँ डॉक्टर मुकेश कुमार ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी झोलाछाप डॉक्टर के भाई को हिरासत में ले लिया है।

हमले के बाद राजस्थान से वापस जा रहे पाकिस्तानी विस्थापित!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से उठाए गए कड़े कदमों का असर अब पाकिस्तान से धार्मिक यात्रा पर आए हिंदू विस्थापितों पर भी पड़ने लगा है। सरकार द्वारा 23 अप्रैल को जारी निर्देश के अनुसार, भारत में वीजा पर आए पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। इस फैसले से राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में बसे हजारों पाक हिंदू विस्थापितों में गहरी चिंता और असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

जोधपुर में रह रहे ईश्वरदास और उनके परिवार के लिए यह आदेश किसी वज्रपात से कम नहीं है। 27 मार्च को वह वाघा बॉर्डर पार कर 13 परिजनों के साथ हरिद्वार धार्मिक यात्रा पर आए थे और फिर जोधपुर पहुंचे थे। उनका कहना है कि वीजा की वैधता 25 मई तक है, लेकिन अब अचानक मिले देश छोड़ने के आदेश से वे बेहद परेशान हैं। ईश्वरदास का कहना है कि उन्होंने भारत सरकार से वापसी की व्यवस्था कराने की मांग की है ताकि वे बिना किसी परेशानी के पाकिस्तान लौट सकें।

ईश्वरदास के रिश्तेदार मेवाराम ने बताया कि जैसे ही आदेश मिला, परिवार तुरंत वाघा बॉर्डर की ओर रवाना हो गया है। इन विस्थापितों का कहना है कि वे सिंध प्रांत से आए हैं और हरिद्वार में दर्शन के बाद जोधपुर पहुंचे थे। यहां उन्होंने पहले से बसे पाक हिंदू विस्थापितों से मुलाकात की थी, लेकिन आतंकी घटना के बाद सरकार द्वारा अचानक दिए गए आदेश से वे उलझन में पड़ गए हैं। उनका कहना है कि अब जो भी पाकिस्तानी वीजा पर भारत में मौजूद हैं, उन्हें 48 घंटे में देश छोड़ना होगा, जिससे उनका जीवन एक बार फिर अनिश्चितताओं में डूब गया है।

पाक हिंदू विस्थापितों की पीड़ा को समझते हुए सीमांत लोक संगठन के अध्यक्ष हिंदू सिंह सोढ़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में राजस्थान और गुजरात से सैकड़ों फोन कॉल्स उन्हें मिले हैं, जिनमें लोगों ने अपने डर, चिंता और असमर्थता को साझा किया है। उनका कहना है कि ये वे लोग हैं जो धार्मिक उत्पीड़न से त्रस्त होकर भारत आए हैं, और अब उन्हें जबरन वापस भेजे जाने का खतरा सता रहा है।

सोढ़ा ने आग्रह किया है कि धार्मिक आधार पर शरण मांगने वाले हिंदू समुदाय को इस आदेश से छूट दी जाए, क्योंकि वे न तो पाकिस्तान में सुरक्षित हैं और न ही अब भारत में सहज महसूस कर पा रहे हैं। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन विस्थापितों को उम्मीद है कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन्हें राहत दी जाएगी।

कांग्रेस प्रभारी के बयान पर मदन राठौड़ का पलटवार, बोले- इस समय इन्हें अग्निवीर योजना याद आ रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के बयान पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जब भी देश ने सर्जिकल स्ट्राइक जैसे साहसिक कदम उठाए, कांग्रेस ने हमेशा उस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इनका यही काम है, सेना के मनोबल को तोड़ने की कोशिश करना।

अमर उजाला से बातचीत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी सेना के मनोबल को कम करने की कोशिश की है। आज जब देश आतंक के खिलाफ एकजुट खड़ा है, तब कांग्रेस के नेताओं को अग्निवीर योजना की याद आ रही है। उन्होंने कहा कि वे कोई ऐसा बयान नहीं देंगे, जिससे आतंकियों का मनोबल कमजोर हो, लेकिन ऐसी बात जरूर करेंगे, जिससे हमारी सेना के हौसले पस्त हों।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया फैसलों की सराहना करते हुए राठौड़ ने कहा कि जल समझौता रद्द करने के फैसले से पाकिस्तान में त्राहिमाम मच गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया गया है, बाघा बॉर्डर बंद कर दिया गया है और भारतीय डिप्लोमेटस को वापस बुलाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत अब आतंकियों को चुन-चुनकर मारेगा और उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और जो लोग आतंकियों को पनाह दे रहे हैं, वे भी नहीं बचेंगे।

पाकिस्तान से विस्थापित होकर भारत आए हिंदुओं के बारे में बात करते हुए राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात की पूरी जानकारी है कि कौन निर्दोष है और कौन आतंकी गतिविधियों में शामिल है।

जो लोग आतंक से जुड़े नहीं हैं, उनके प्रति सरकार का दृष्टिकोण सहानुभूतिपूर्ण रहेगा और हम भी केंद्र सरकार तक उनकी समस्याएं पहुंचाएंगे।

रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग को श्रद्धालुओं के लिए खोला

भरतपुर। राजस्थान के सवाईमाधोपुर में रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर वन विभाग की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए पिछले आठ दिनों से बंद किये गए त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग को कुछ शर्तों के साथ शुक्रवार को खोल दिया गया। पिछले दिनों सात वर्षीय बालक कार्तिक सुमन की बाघ के हमले में मौत हो जाने के बाद वन विभाग ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग को बंद कर दिया गया था। खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल, वन विभाग के सीसीएफ अनूप के आर और डीएफओ रामानंद भाकर ने आज गणेश धाम एवं अमराई वन क्षेत्र पहुंचकर स्थिति का जायजा। इस अवसर पर विधायक गोठवाल ने मीडिया को बताया कि सरकार रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर है।

वन विभाग की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पैदल यात्री, दुपहिया वाहनों पर रोक लगाई गई है। वन विभाग की ओर से गणेश धाम से रणथम्भौर दुर्ग तक 30 टैक्सी लगाई गई है एवं शेरपुर हैलीपेड पर एक पार्किंग बनाई गई है। जिसमें सवाई माधोपुर से बाहर से आने वाले पर्यटक अपने वाहन पार्क कर सकेंगे। जिसके बाद वह टैक्सी से त्रिनेत्र गणेश के दर्शनों को जा सकेगे। वन विभाग की ओर से त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग के आसपास से झाड़ियों की भी सफाई की गई है। जिससे बाघ, बाघिन दूर से नजर आ सके। सवाई माधोपुर जिले के अलावा अन्य जिलों के प्रवेश पर रोक लगाने को लेकर सीसीएफ अनूप के आर ने बताया कि सवाई माधोपुर के लोग टाइगर बिहेवियर को जानते हैं जबकि दूसरे जिलों से आने वाले श्रद्धालु बीच में रूक कर सेल्फी लेने लगते हैं ।

एलओआई धारक तय समय सीमा में अनुमोदन हेतु माइनिंग प्लान प्रस्तुत करें : टी. रविकान्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख सचिव माइन्स एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने एलओआई धारकों से माइनिंग प्लान अनुमोदन, चरागाह एनओसी, पर्यावरण स्वीकृति सहित आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए संबंधित संस्थाओं में आवश्यक दस्तावेज तय समय सीमा में प्रस्तुत करने को कहा है ताकि ऑक्शन ब्लॉकों को परिचालन में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि एलओआई धारकों द्वारा आवश्यक अनुमतियों के लिए कार्रवाई में देरी के कारण खानों को परिचालन में लाने में अनावश्यक देरी होती है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त शुक्रवार को सचिवालय से एलओआई धारकों से वर्चुअली रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑक्शन खानों को शीघ्र परिचालन में लाना सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में जिन एलओआई धारकों (मंशापत्र धारक) ने अभी तक माइनिंग प्लान बनाकर अनुमोदन के लिए आईबीएम में प्रस्तुत नहीं किया है वे बिना किसी विलंब के माइनिंग प्लान प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि करीब 15 एलओआई धारकों द्वारा अभी तक आईबीएम में अनुमोदन के लिए माइनिंग प्लान प्रस्तुत नहीं किये है। इसी तरह से चरागाह एनओसी के लिए 12 एलओआई धारकों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है। लगभग यही स्थिति पर्यावरण स्वीकृतियों को लेकर है।

टी. रविकान्त ने एलओआई धारकों द्वारा समय पर आवश्यक कार्रवाई नहीं करने से ऑक्शन खानों को परिचालन में लाने में अनावश्यक देरी होती है। उन्होंने निदेशालय को भी निर्देशित किया कि संबंधित एलओआई धारकों को मुख्यालय बुलाकर वन टू वन मीटिंग कर आवश्यक मार्गदर्शन और नियमों की जानकारी से अवगत कराया जाए।

निदेशक माइंस दीपक तंवर ने बताया कि एलओआई धारकों की शंकाओं का मुख्यालय स्तर पर बैठक कर समाधान करने के साथ ही आवश्यक अनुमतियों के लिए आवेदन करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा गठित पोस्ट ऑक्शन फेसिलिटेशन सेल द्वारा संबंधित विभागों से भी समन्वय बनाया हुआ है। बैठक में अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर, अधीक्षण खनि अभियंता मेजर भीम सिंह, अधीक्षण खनि अभियंता विजिलेंस प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, बीडिंग सेल से एसजी नितिन चौधरी के साथ ही एलओआई धारकों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर जिले के सरमथुरा थाना के सेठ पाडा क्षेत्र में एक पोखर में डूबने से शुक्रवार को तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सरमथुरा में कस्बे के सेढ पाडा निवासी आठ से 12 वर्ष के तीन बच्चे राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित पोखर में नहाने के लिए पानी में उतरे थे। जहां गहरे पानी में जाने से तीनों डूब गये। घटना के बाद बच्चों के परिजन इन बच्चों को लेकर सामुदायिक चिकित्सालय गये जहां चिकित्सको ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक बच्चों की पहचान प्रियांशु, हिमांशु एवं अरूण के रूप में हुई हैं। बालकों की मौत की सूचना पर बसेड़ी विधायक संजय जाटव भी अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली।

अधिकतर भागों में भीषण गर्मी का दौर जारी रहने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर भाग भीषण गर्मी की चपेट में है और यह दौर अभी जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों में राज्य के अनेक हिस्से लू की चपेट में रहेंगे। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा जयपुर व जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं लू का प्रकोप देखा गया। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है। राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान बाड़मेर में 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अनुसार आगामी 2-3 दिन में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। 25 से 30 अप्रैल को राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं-कहीं लू चल सकती है।

वहीं एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 26 अप्रैल को जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद मेघगर्जन व हल्की बारिश हो सकती है, 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं/आंधी चल सकती हैं। इसी तरह मई के पहले हफ्ते में पूर्वी हवाएं प्रभावी होने व एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी-बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी।

पुलिस निरीक्षक और वकील रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक दल ने बांसवाडा जिले के राज तालाब थाने के पुलिस निरीक्षक और एक वकील को एक परिवादी से ढाई लाख रुपये रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस रवि प्रकाश मेहरड़ा ने एक बयान में बताया कि ए.सी.बी. बांसवाडा को शिकायत मिली कि परिवादी एवं उसके परिवार के सदस्यों के विरुद्ध पुलिस थाना राजतालाब द्वारा सम्पत्ति कुर्की की कार्रवाई करते हुए उनके वाहन जब्त किए गए थे और भविष्य में परेशान नहीं करने की एवज में पुलिस निरीक्षक ने वकील शरीफ खान के माध्यम से साढ़े छह लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

प्रचार

अभिनेता राजकुमार राव और वामिका गब्बी शुक्रवार को जयपुर के राजमंदिर सिनेमा में अपनी आगामी फिल्म भूल चूक माफ़ के प्रचार कार्यक्रम में शामिल हुए।

ओडिशा: अग्निवीर अभ्यर्थियों से वसूली के आरोप में दो नौसेना कर्मियों समेत तीन गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने नवंबर 2024 में भर्ती के दौरान अग्निवीर अभ्यर्थियों से वसूली के आरोप में खुर्दा जिले में नौसेना के दो कर्मियों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सत्यम चाहर, विनय कुमार राय और उत्तर प्रदेश के निवासी सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी भूषण के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सत्यम चाहर वर्तमान में आईएनएस केसरी, अंडमान और निकोबार में कार्यरत है तथा विनय कुमार राय वर्तमान में आईएनएस चिलिका में तैनात है। उन्होंने बताया कि तीनों की गिरफ्तारी आईएनएस चिलिका के प्रशिक्षण पत्राचार अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर अद्वितीय सिंह द्वारा 19 अप्रैल को बालूगांव पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। आरोपियों पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है।

ओडिशा सरकार ने पुलिसकर्मियों का वर्दी भत्ता बढ़ाया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने राज्य के पुलिसकर्मियों का वार्षिक वर्दी भत्ता बढ़ा कर दोगुना कर दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस संबंध में गृह विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और कांस्टेबल, हवलदार और सिपाहियों के लिए 'अतिरिक्त ड्यूटी प्रोत्साहन' में वृद्धि की भी घोषणा की।

सिपाही-कांस्टेबल से लेकर निरीक्षक रैंक के तक के अधिकारियों के वार्षिक वर्दी भत्ते में बढोत्तरी की गई है। निरीक्षकों के लिए वर्दी भत्ता 4,300 रुपए से बढाक़र 8,600 रुपए और उप-निरीक्षकों का 4,200 रुपए से बढाक़र 8,400 रुपए कर दिया गया है। सहायक उपनिरीक्षकों के लिए वर्दी भत्ता 5,000 रुपए से बढाक़र 10,000 रुपए कर दिया गया है जबकि हवलदार, कांस्टेबल और सिपाहियों के लिए यह भत्ता 5,900 रुपए से बढाक़र 11,800 रुपए कर दिया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके अलावा सरकार ने कांस्टेबल, सिपाहियों और समकक्ष पदों के कर्मियों के लिए वार्षिक अतिरिक्त ड्यूटी प्रोत्साहन राशि बढाक़र 25,000 रुपए कर दी है, जबकि हवलदार और समकक्ष पदों के कर्मियों के लिए यह राशि 30,000 रुपए वार्षिक कर दी गई है।

आईएमडी ने बंगाल में आंधी-तूफान का अनुमान जताया, शनिवार से तापमान में गिरावट की संभावना

कोलकाता/भाषा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में मध्यम से तेज आंधी आने का पूर्वानुमान है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में जारी भीषण गर्मी की स्थिति से शनिवार को राहत मिलेगी। विभाग ने कहा कि आंधी-तूफान के कारण शनिवार से तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। आईएमडी के अनुसार, शनिवार तक पश्चिमी- उत्तर-पश्चिमी शुष्क हवाएं चलती रहेंगी। विभाग ने कहा कि शनिवार दोपहर से हवा का रुख बदलने की अनुमान है और हवा की अनुकूल स्थिति तथा बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण कुछ जिलों में मध्यम से लेकर तीव्र तूफान आने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण बंगाल और मालदा जिले में शनिवार तक दिन का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है, जिसके बाद कई स्थानों पर आंधी-तूफान आने के कारण तापमान में गिरावट होने का अनुमान है।

दार्जिलिंग की पहाड़ियों में टॉय ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, कोई हताहत नहीं

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। दार्जिलिंग जिले के सुकना के निकट शुक्रवार को दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे टॉय ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चालक या उसके सहायक को किसी प्रकार की चोट आने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि इंजन न्यू जलपाईगुड़ी से कुर्सियांग जा रहा था तभी सुकना के पास यह अचानक पटरी से उतर गया और बगल से गुजरती सड़क पर जा गिरा। एक अधिकारी ने बताया कि इंजन के पटरी से उतरने के पीछे ब्रेक फेल होना कारण हो सकता है, लेकिन जांच से ही वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

अमानवीय तत्वों ने पहलगाम में देश की आत्मा पर हमला किया: सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि अमानवीय तत्वों ने बिना यह समझे भारत की आत्मा पर प्रहार किया कि चुनौती मिलने पर देश और तेजी से उठता है।

क्वांटम टेक्नोलॉजी विषय पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकियों और उनके आकाओं को जवाब देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि पहलगाम के हमलावरों और उनके आकाओं को खोजकर उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

सिंधिया ने कहा कि पहलगाम में हुआ हमला अमानवीय तत्वों द्वारा किया गया एक कायराना जघन्य हमला था जिसमें मासूस लोग मारे गए।

उन्होंने कहा, ''उन अमानवीय लोगों ने हमारी आत्मा पर हमला किया। लेकिन वे यह नहीं समझते कि जब देश के सामने चुनौतियां हों तो वह और तेजी से तथा और ऊंचा उठता है।''

सिंधिया ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि भारत उठेगा। हम सबको विश्वास है कि हम भारत के लोग, हर राज्य, हर धर्म, हर समुदाय के लोग एक स्वर में एकजुट हैं और हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इन तत्वों को जवाब देंगे।''

पुलिस ने 2024 के नीट पेपर लीक मामले के 'मास्टरमाइंड' को पटना से गिरफ्तार किया

पटना/भाषा। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने नीट (यूजी)-2024 पेपर लीक मामले के कथित 'मास्टरमाइंड' संजीव कुमार सिंह को राज्य की राजधानी से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नालंदा के एक सरकारी कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर तैनात सिंह उर्फ संजीव मुखिया पर तीन लाख रुपए का इनाम था।

ईओयू के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) नैयर हसनैन खान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मुखिया को ईओयू एवं जिला पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात एक अपार्टमेंट से संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया।'' खान ने बताया, ''विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया।'' उन्होंने कहा, ''मार्च 2024 में आयोजित बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के पेपर लीक मामले में भी संलिप्तता को लेकर उसकी तलाश थी। मुखिया से ईओयू और सीबीआई के अधिकारी संयुक्त रूप से पूछताछ कर रहे हैं।'' नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

खुफिया विफलता के कारण हुआ पहलगाम हमला: पूर्व सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व सेना प्रमुख जनरल शंकर रॉयचौधरी (सेवानिवृत्त) ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमला 'खुफिया विफलता' के कारण हुआ और उन्होंने इसके लिए उच्चतम स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग की।

देश के 18वें सेना प्रमुख रहे रॉयचौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''मुझे खुफिया विफलता का संदेह है। किसी को इस चूक के लिए जवाब देना चाहिए। लापरवाही के लिए निश्चित रूप से कोई जिम्मेदार है और उन्हें परिणामों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) की भूमिका है, जहां 26 नागरिकों को आतंकवादियों ने उनके परिवार के सदस्यों के सामने गोली मार दी थी जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। उन्होंने कहा, ''इतने सारे घुसपैठिए कैसे घुसने में कामयाब हो गए? इसकी जांच होनी चाहिए।'' लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान पर भारत सरकार के कूटनीतिक प्रतिबंध पर्याप्त हैं, रॉयचौधरी ने कहा, ''कूटनीतिक कदम पर्याप्त नहीं हैं। प्रतिरोध के उपाय करने होंगे। वे किस रूप में सामने आते हैं, यह हम पर निर्भर करता है। पारंपरिक उपाय पर्याप्त नहीं होंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमें उसी तरह से प्रतिक्रिया देनी होगी, मैं इसे केवल इसी तरह देखता हूं। हमें अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को बनाए रखते हुए जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। बहुत हो गया।'' हमलावरों की सहायता किसी अंदरूनी व्यक्ति द्वारा किए जाने की संभावना पर उन्होंने कहा, ''मैं सीधे तौर पर यह सुझाव नहीं दे रहा हूं, लेकिन हमें आंखें और कान खुले रखने चाहिए। पाकिस्तान और आईएसआई ने हमेशा सक्रिय भूमिका निभाई है। हमारे पास खुफिया एजेंसी रॉ है, और हमें इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए।''

उम्मीद है कि योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे : खेलमंत्री मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (भाषा) योग को विश्व के लिये भारत का उपहार बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि दुनिया में जिस तरह से योग का प्रचार हो रहा है , उम्मीद है कि जल्दी ही योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे ।

यहां दूसरी एशियाई योगासन चैम्पियनशिप के उद्घाटन के मौके पर मांडविया ने कहा ,'' योग विश्व के लिये भारत का बहुत बड़ा उपहार है । हम भाग्यशाली है कि हमें विरासत में योग मिला और योग से ही 'वसुधैव कुटुम्बकम' निकला जो हमारा संस्कार है ।'' उन्होंने विश्व योगासन के अध्यक्ष स्वामी रामदेव से दुनिया के विभिन्न देशों में योग महासंघ के गठन का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इससे योगासन को ओलंपिक खेल का दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा । उन्होंने कहा ,'' दुनिया में आज जिस तरह से योग प्रचारित हो रहा है । मैं स्वामी रामदेव से अनुरोध करूंगा कि अगर दुनिया भर में अपने अपने देश में योग महासंघ का गठन हो जायेगा तो हम जल्दी ही योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे ।'' मांडविया ने कहा ,'' ओलंपिक में योगासन में पदक चाहे कोई भी जीते लेकिन श्रेय भारत का रहेगा ।'' भारत सरकार ने दिसंबर 2020 में योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता दी थी । उत्तराखंड में इस साल की शुरूआत में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में इसे पदक खेल के रूप में शामिल किया गया जबकि पहले यह नुमाइशी खेल ही था । एशियाई योगासन चैम्पियनशिप को इस दिशा में मजबूत कदम माना जा रहा है । योगासन भारत द्वारा खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सहयोग 25 से 27 अप्रैल तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दूसरी एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है । इस प्रतियोगिता में 17 एशियाई देशों के कुल 170 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं । यह चैंपियनशिप चार आयु वर्ग 10 से 18, 18 से 28, 28 से 35 और 35 से 45 वर्ष में आयोजित की जा रही है । चैंपियनशिप का पहला सत्र 2022 में थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित किया गया था। खेलमंत्री मांडविया ने कहा,'' वर्तमान समय में हम जिस विज्ञान, स्वास्थ्य का इस्तेमाल कर रहे हैं , अगर उसकी पृष्ठभूमि में देखें तो हमारे ऋषि मुनियों का ज्ञान है । हम चरक और सुश्रुत के देश से हैं और योग हमारा संस्कार, जीवनशैली और संपूर्ण स्वास्थ्य है । हमारे लिये स्वास्थ्य सेवा है , उद्योग नहीं । मुझे बताया गया कि योग दुनिया में कई मिलियन डॉलर का उद्योग हो गया है लेकिन हमने कभी स्वास्थ्य को उद्योग के रूप में नहीं देखा ।''

मुर्शिदाबाद में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरायी, महिलाएं दहशत में: एनसीडब्ल्यू रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में प्रशासनिक व्यवस्था और शासन पूरी तरह से ''चरमरा'' गया है। आयोग ने कहा कि क्षेत्र की महिलाएं दहशत में हैं। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज, सुती, धुलियान और जंगीपुर में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने रिपोर्ट में ये टिप्पणियां की हैं, जिन्होंने मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि राज्य के समर्थन के अभाव में कई विस्थापित महिलाओं को अब अधिक असुरक्षित स्थिति और अपने मान सम्मान की हानि का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में पाया कि ''मुर्शिदाबाद जिले में प्रशासनिक मशीनरी और शासन व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है।'' एनसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा, ''पूर्व खुफिया जानकारी और क्षेत्र में तनाव के बावजूद, राज्य सरकार निवारक या प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई करने में विफल रही, और मूकदर्शक बनी रही। ऐसा प्रतीत होता है कि हिंसा जानबूझकर और पूर्वनियोजित थी...।''

पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की प्रतिबद्धता में राष्ट्र एकजुट: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की प्रतिबद्धता को लेकर पूरा देश एकजुट है। गोयल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि मंगलवार के हमले को लेकर ''कारगिल से कन्याकुमारी तक'' आक्रोश है।

आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर दक्षिण कश्मीर में पहलगाम के पास हमला किया, जिसमें 26 लोग मारे गए। इनमें से अधिकतर पर्यटक थे। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''यह एक ऐसा क्षण है, जब पूरा देश इस जघन्य अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए एकजुट होकर और एक स्वर में अपना गुस्सा और सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए नृशंस हमले को लेकर कारगिल से कन्याकुमारी तक आक्रोश है। हम सभी इस दुख में एकजुट हैं। मैं पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भगवान उन परिवारों को शक्ति प्रदान करें, जो सीमा पार के आतंकवादियों द्वारा किए गए इस अत्यंत जघन्य और आपराधिक कृत्य के कारण गहराई से प्रभावित हुए हैं।''

गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के इन शब्दों को याद किया कि सीमा पार से सरकार प्रायोजित आतंकवाद सभ्य समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह कथन आज भी सत्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को दोहराते हुए कहा, ''जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा, हम हर आतंकवादी और उनके समर्थकों को चिह्नित करेंगे, उनका पता लगाएंगे और उन्हें दंडित करेंगे। यह भारत और हर भारतीय का संकल्प है।'' गोयल ने कहा, ''मैं मुंबई से हूं, जो एक ऐसा शहर है, जिसने नवंबर 2008 के भीषण हमले को झेला। इसके बावजूद वह मजबूत होकर उभरा। हमारे जवानों पर पुलवामा हमले के बाद हमने मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने बार-बार दिखाया है कि वह आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा।''

मणिपुर में महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की 'बाल देखभाल अवकाश' नीति लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इम्फाल/भाषा। मणिपुर सरकार ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की 'बाल देखभाल अवकाश' (सीसीएल) नीति को अपनाने की मंजूरी दे दी है। यह नीति महिला कर्मचारियों और ऐसे एकल पुरुष कर्मचारियों पर लागू होगी जिनके नाबालिग बच्चे (18 वर्ष से कम आयु) हैं। मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की जान जा चुकी है और वर्तमान में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है।

वित्त आयुक्त एन. अशोक कुमार द्वारा जारी बयान में कहा गया, महिला कर्मचारी एवं एकल पुरुष कर्मचारी जिनके नाबालिग बच्चे हैं, उन्हें सक्षम प्राधिकारी द्वारा 'बाल देखभाल अवकाश' (सीसीएल) दिया जा सकता है। यह अवकाश पूरे सेवा काल में अधिकतम 730 दिन के लिए दिया जा सकेगा। यह छुट्टी पहले दो बच्चों के पालन-पोषण या परीक्षा, बीमारी आदि जैसी किसी भी आवश्यकता को पूरा करने के लिए दी सकती है। सरकार ने प्रसव के तुरंत बाद बच्चे की मृत्यु या मृत शिशु जन्म की स्थिति में 60 दिन के विशेष मातृत्व अवकाश को भी मंजूरी दी है।

मैं और मजबूती से लड़ता रहूंगा : वेतन कुर्क करने के अदालती आदेश पर तृणमूल नेता गोखले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राजनयिक लक्ष्मी पुरी द्वारा दायर मानहानि मामले में तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले के वेतन का कुछ हिस्सा कुर्क करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के एक दिन बाद, गोखले ने शुक्रवार को कहा कि वह ''और मजबूती से लड़ेंगे।''

गोखले ने मीडिया में जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता - मैं और भी मजबूती से लड़ता रहूंगा। मैं (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस का सिपाही हूं।'' तृणमूल सांसद के करीबी सूत्रों ने कहा कि वह आदेश के खिलाफ अपील दायर करेंगे। उन्होंने आदेश के समय को लेकर भी सवाल उठाया है।

सूत्र ने कहा कि गोखले के वेतन का 75 प्रतिशत हिस्सा कुर्क कर लिया गया है, जबकि यह वेतन ही उनकी आय का एकमात्र स्रोत है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व राजनयिक एवं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पत्नी लक्ष्मी पुरी द्वारा दायर मानहानि मामले में गोखले का

वेतन कुर्क करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

अदालत ने कहा था कि गोखले को संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव पुरी से माफी मांगने और उन्हें 50 लाख रुपए का हर्जाना देने का निर्देश दिया गया था लेकिन उन्होंने न तो जुर्माने की राशि जमा की और न ही कोई उचित स्पष्टीकरण दिया।

अदालत ने कहा था, ''वेतन तब तक कुर्क रहेगा जब तक कि 50 लाख रुपए अदालत में जमा नहीं कर दिए जाते।''

पुरी ने 2021 में उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि गोखले ने जिनेवा में उनके स्वामित्व वाले एक अपार्टमेंट के संबंध में उनके वित्तीय मामलों को लेकर झूठे आरोप लगाए तथा उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

पटना में अदालत को बम से उड़ाने की धमकी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को एक अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक ई-मेल ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को सकते में डाल दिया।

हालांकि, घटनास्थल पर पुलिस टीम का नेतृत्व करने वाली अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीक्षा ने कहा कि ई-मेल फर्जी लग रहा है, और भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा, ''जिला न्यायाधीश के चैंबर के पास आरडीएक्स बम लगाए जाने का दावा करने वाला ई-मेल पटना दीवानी अदालत को मिला है।'' उन्होंने कहा, ''सूचना मिलने पर हमने एटीएस और बम निरोधक दस्ते को बुलाया। परिसर में कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।''

अधिकारी ने कहा, ''ई-मेल के फर्जी होने की पूरी संभावना है। हम भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।''

इशांत की रफ्तार सुधारने में अहम भूमिका निभाई स्टीफन जोन्स ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने जब 2022 में इशांत शर्मा से कहा था कि टीम टेस्ट प्रारूप में उन्हें नहीं देख रही है तो इस तेज गेंदबाज के लिए चीजें काफी मुश्किल हो गई थीं। इशांत उस समय लगभग 33 वर्ष के थे। वह लाल गेंद के क्रिकेट में इतना अच्छा नहीं कर पा रहे थे और उनकी गति पर भी असर पड़ा था। इसी वर्ष आईपीएल भी नहीं खेल पाए थे।

यह जानते हुए कि भारत में वापसी एक दूर का सपना था। इशांत ने लाल गेंद के क्रिकेट में कटौती की, लेकिन आईपीएल को ध्यान में रखते हुए सबसे छोटे प्रारूप पर काम किया। और फिर उन्हें इंग्लैंड के स्टीफन जोन्स का साथ मिला जिन्होंने इस

अनुभवी तेज गेंदबाज को वापसी कराने में मदद की। जोन्स के पास 'कैम्ब्रिज और लॉफबोरो यूनिवर्सिटी' दोनों की डिग्री हैं। उन्होंने नॉर्थम्पटनशर, डर्बीशर, केंट और समरसेट के लिए 20 साल तक पेशेवर काउंटी क्रिकेट खेला। लेकिन जब उन्होंने क्रिकेट कोचिंग शुरू की तो वह केवल 'लेवल 3' कोच ही नहीं बने बल्कि उन्होंने खेल विज्ञान में डिग्री के साथ-साथ 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग' में भी प्रमाण पत्र हासिल किया। इससे उन्हें तेज गेंदबाजी को हर पहलू से जानने का मौका मिला। इस आईपीएल सत्र में इशांत ने गुजरात टाइटन्स के लिए पांच मैच में तीन विकेट झटके हैं, उनके आंकड़े भले ही बहुत बढ़िया न हों। लेकिन जिस चीज ने सभी को चौंकाया है, वह है सभी गेंद 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकने की क्षमता। जोन्स ने कहा, ''इशांत ने 2017-18 के आसपास मुझसे संपर्क किया था। मुझे लगता है कि तब वह भारत के इंग्लैंड के दौरे पर यहां आए थे। उन्होंने बस सवाल पूछे। उन्हें मेरे कोचिंग का तरीका पसंद आया। ''

जोन्स अब 'पेस लैब' नामक एक कंपनी चलाते हैं, उन्होंने पीटीआई से बातचीत के दौरान बताया, ''उन्हें मेरा हर चीज की बारीकियां देखने का तरीका पसंद आया जो खेल विज्ञान से प्रेरित है जिसमें खेल के तकनीकी और शारीरिक पहलुओं पर बहुत सारा ज्ञान शामिल है। शुरुआत में मैंने उन्हें ऑनलाइन कोचिंग देना शुरू किया।''

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में विस्फोट से मकान क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोलपुर/भाषा। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सैंथिया थाना क्षेत्र के सिजा गांव में शुक्रवार की सुबह एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ, जिससे घर की छत उड़ गयी और मिट्टी की दीवार गिर गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि धमाके की जोरदार आवाज से आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय चश्मदीदों के अनुसार, विस्फोट के बाद मकान मालिक ने खुद ही जेसीबी बुलाकर मलबा हटाना शुरू कर दिया, जिससे उसकी गतिविधियों पर शक गहराने लगा। घर का स्वामी फिलहाल फरार है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। विस्फोट का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। जांच जारी है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं घर में अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री तो नहीं रखी गई थी या घर में विस्फोटक का निर्माण तो नहीं किया जा रहा था।

सुविचार

कुछ लोग सफलता का सपना देखते हैं, जबकि अन्य लोग हर सुबह उठकर इसे पूरा करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शब्दों की खतरनाक हेराफेरी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देशवासियों की आंखें नम कर दीं, वहीं कुछ पश्चिमी मीडिया समूह अपनी ख़बरों में आपत्तिजनक शब्दावली का इस्तेमाल कर रहे हैं। खुद को निष्पक्ष और आधुनिक दिखाने की कोशिश में ये समूह भारतवासियों का उपहास उड़ा रहे हैं। न्यूयॉर्क के एक अख़बार ने उक्त हमले की ख़बर अपनी वेबसाइट पर जिन शब्दों में प्रकाशित की, उससे उसकी खूब किरकिरी हो रही है। उसने पहलगाम में हिंदू पर्यटकों की हत्या करने वालों को 'मिलिटेंट्स' लिखा है! क्या यह 'टेररिस्ट्स' के गुनाहों को कम करके दिखाने की साजिश नहीं है? भारत में भी कई लोग 'मिलिटेंट' और 'टेररिस्ट' में अंतर नहीं कर पाते। ऑक्सफ़ोर्ड शब्दकोश के अनुसार, 'मिलिटेंट' का अर्थ होता है– अभीष्ट की प्राप्ति के लिए बलप्रयोग या तगड़ा दबाव डालने के लिए तत्पर, जुझारू, संघर्ष का इच्छुक, लड़ाका। 'टेररिस्ट' का अर्थ होता है– आतंकवादी। आम लोगों का कत्ल कर दहशत पैदा करने वालों को 'मिलिटेंट्स' कहना वैसा ही है, जैसे पूर्व में कुछ बुद्धिजीवी उन्हें 'भटके हुए नौजवान, नादान युवक' आदि कहा करते थे। अमेरिका के कई अख़बार और समाचार चैनल पिछली सदी तक आतंकवाद के भयावह चेहरे से परिचित नहीं थे। जब भारत सरकार पाकिस्तान की आतंकवादी हरकतों का जिक्र करती तो वे उन घटनाओं को बहुत हल्के में लेते थे। उन्हें 9/11 के बाद कुछ एहसास हुआ कि ऐसा भी होता है। हालांकि पश्चिमी मीडिया में आतंकवादियों को सम्मान देने का रिवाज जारी है। जिस दिन पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, ब्रिटेन की एक चर्चित समाचार वेबसाइट (जो हिंदी, उर्दू समेत कई भाषाओं में ख़बरें देती है) ने आतंकवादियों को उर्दू में 'अस्करियत पसंद' और हिंदी में 'चरमपंथी' लिखा।

शब्दों की यह हेराफेरी एक धीमे जहर की तरह है, जिसके प्रभाव में आकर लोग झूठ को सच मान लेते हैं। इसके पीछे बड़ी रणनीति होती है। भारत में कई ख़बरों, कहानियों और किताबों में विदेशी आक्रांताओं को इस तरह पेश किया गया है कि उनसे बड़ा बहादुर, न्यायप्रिय और दूरदर्शी व्यक्ति कोई दूसरा नहीं हुआ। भारतवासियों को बार-बार इस बात का झूठा एहसास कराया गया है कि विदेशी आक्रांताओं ने यहां आकर संस्कृति को समृद्ध किया, सुंदर इमारतें बनवाईं। कई लोग इस दुष्प्रचार के ऐसे शिकार हो चुके हैं कि अजीब दलीलें देते हैं, जैसे– 'अगर यहां अंग्रेज नहीं आते तो हम बस, कार, ट्रेन आदि के बजाय बैलगाड़ी से सफर कर रहे होते!' क्या जिन देशों में अंग्रेजों ने शासन नहीं किया, वहां परिवहन के आधुनिक साधन नहीं हैं? जम्मू-कश्मीर के कई लोगों के दिलो-दिमाग में अलगाववादियों ने भारतविरोध की ऐसी भावना भर दी कि वे जाने-अनजाने में उन शब्दों का इस्तेमाल करने लगे, जिनका 'मतलब' बहुत ध्यान देने पर ही समझ में आता है। पूर्व में जब लोग कश्मीर गए और उनसे पूछा गया कि आप कहां से आए हैं तो (अपने शहर या गांव का नाम बताने पर) उन्हें यह सुनने को मिला– 'अच्छा, आप भारत से आए हैं!' पहलगाम हमले के बाद एक कश्मीरी बुजुर्ग सोशल मीडिया पर इन शब्दों के साथ दु:ख जताते दिखे– 'हम पूरे इलाके के लोग ... इस घिनौनी साजिश की निंदा करते हैं ... हिंदुस्तान से आए हुए जिन नौजवानों के साथ यह वाकया हुआ ...।' हो सकता है कि उन बुजुर्ग ने भी अनजाने में कहा हो, लेकिन ऐसे शब्द दुष्प्रचार की जड़ें गहरी करते हैं। इनमें तुरंत सुधार करना जरूरी है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। अगर कोई भारतीय नागरिक वहां जाता है तो वह अपने देश में ही होता है। देशविरोधी शब्दों के जाल में न फंसें। चाहे, कहने वाला कोई व्यक्ति हो या मीडिया समूह। देशप्रेम की डोर हर स्थिति में मजबूत रहनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

गाजियाबाद के मोदीनगर में भारतीय संविधान के शिल्पी भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया । इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार में केबिनेट मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी, श्री असीम अरूण जी की गरीमामयी उपस्थिति रही।

–अर्जुनराम मेघवाल

सत्य, अहिंसा एवं शांति के प्रतीक तथा सामाजिक समरसता के पुण्य ज्योत संत शिरोमणि सेन महाराज जी की जयंती पर उन्हें मेरा कोटि-कोटि नमन। आपके द्वारा दिये गए अनमोल उपदेश अनंतकाल तक मानवता का पथ आलोकित करते रहेंगे।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

पहलगाम में हुआ दुस्साहसी आतंकी हमला एक भयावह त्रासदी है। मैं यहां के हालात को समझने और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयावह हमले की निंदा की है और पूरी तरह से देश का समर्थन किया है। मैंने घायल हुए एक व्यक्ति से मुलाक़ात की।

–राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

प्रतिस्पर्धा का भ्रम

एक दिन एक धावक ने अपने गुरु से कहा, 'मैं हमेशा दूसरों से तेज दौड़ना चाहता हूं और सबसे आगे रहना चाहता हूं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा मुझे थका देती है।' गुरु ने मुस्कुराते हुए उसे दो रेस में भाग लेने को कहा। पहली रेस में धावक को अन्य तेज धावकों के साथ दौड़ाया गया। वह पूरी ताकत से दौड़ा, लेकिन जीत नहीं पाया। वह निराश हो गया। दूसरी रेस में गुरु ने उसे अकेले दौड़ने को कहा। इस बार वह सबसे तेज था, लेकिन केवल इसलिए क्योंकि कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। गुरु ने समझाया, 'पहली दौड़ में तुम दूसरों से जीतने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए थक गए। दूसरी में तुम सिर्फ खुद से बेहतर बनने के लिए दौड़े, इसलिए जीत तुम्हारी थी।' गुरु बोले, 'जीवन में असली प्रतिस्पर्धा दूसरों से नहीं, बल्कि खुद से होती है। अगर तुम हर दिन खुद को बीते दिन से बेहतर बनाते हो, तो यही सच्ची जीत है।' धावक को अपनी गलती समझ आ गई और उसने खुद से प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर दिया।

सामयिक

घाटी को अब रक्त नहीं, सख्त निर्णयों की जरूरत

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

कश्मीर की वादियां एक बार फिर निर्दोषों के खून से रंग गई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में दशहतगर्दों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर दो दर्जन से भी अधिक पर्यटकों की नृशंस हत्या कर दी। दिल दहला देने वाला यह आतंकी हमला एक बार फिर इस यक्ष प्रश्न को जन्म देता है कि आखिर कब तक भारत की संप्रभुता, एकता और नागरिकों की सुरक्षा पर ऐसे कायराना हमलों का साया मंडराता रहेगा? यह हमला न केवल हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को रेखांकित करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की जड़ें अब भी घाटी में जहर उगल रही हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब घाटी में पर्यटन का सीजन चरम पर है और पहलगाम की बेहद खूबसूरत वादियां लाखों सैलानियों का स्वागत कर रही थी। ऐसे में इस आतंकी कृत्य ने न केवल जानमाल की अपूरणीय क्षति पहुंचाई है बल्कि भारत की सामरिक संप्रभुता और मानवीय चेतना पर भी गहरा आघात किया है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया है कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आक्रामक और उत्तरदायी बनी है, यह हमला उसके प्रतिकार के रूप में भी देखा जा सकता है। धारा 370 हटने के बाद जिस प्रकार से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, आतंकियों पर कड़ा शिकंजा और नागरिक संवाद को पुन:स्थापित करने की कोशिशों जैसे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापना की दिशा में अनेक सफल प्रयास हुए हैं, वे लंबे समय से पाकिस्तान और उसके आकाओं को चुभ रहे थे।

देश एक ओर जहां तकनीकी, आर्थिक और वैश्विक मंचों पर निरंतर मजबूत हो रहा है, ऐसे में आतंकवादियों द्वारा लक्षित नागरिकों, सुरक्षाबलों और सैलानियों को निशाना बनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि दुश्मन की मानसिकता कितनी नीच, विद्वेषपूर्ण और छायायुद्ध की शैली में विकृत हो चुकी है। पाकिस्तान की आईएसआई और उससे पोषित आतंकी गुट, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठन प्रमुख हैं, भारत की प्रगति और लोकतांत्रिक मजबूती को सहन नहीं कर पा रहे हैं। यह हमला उस व्यापक गुप्त रणनीति का हिस्सा है, जिसमें अस्थिरता, भय और अराजकता फैलाकर घाटी को एक बार फिर 90 के दशक की हिंसक छवि में धकेलने की साजिश की जा रही है। इस नृशंस हमले की रणनीति को देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि आतंकियों का लक्ष्य केवल खून-खराबा नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा रणनीति को चुनौती देना था। जिस प्रकार से जंगलों में छिपकर घात लगाकर हमला किया गया, वह गुरिल्ला युद्धनीति की उस शैली की ओर संकेत करता है, जिसे सीमा पार से प्रशिक्षित किया जाता है। यह न तो स्वत:स्फूर्त था, न ही किसी लोकल रिएक्शन का परिणाम था बल्कि यह एक पूर्णत: योजनाबद्ध और निर्देशित हमला था, जिसमें तकनीकी सहायता, हथियारों की आपूर्ति और खुफिया जानकारी सब कुछ शामिल था।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आक्रामक और उत्तरदायी बनी है, यह हमला उसके प्रतिकार के रूप में भी देखा जा सकता है। धारा 370 हटने के बाद जिस प्रकार से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, आतंकियों पर कड़ा शिकंजा और नागरिक संवाद को पुन:स्थापित करने की कोशिशों जैसे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापना की दिशा में अनेक सफल प्रयास हुए हैं, वे लंबे समय से पाकिस्तान और उसके आकाओं को चुभ रहे थे। इसीलिए ऐसे हमलों के जरिये घाटी में एक बार फिर भय और भ्रम का वातावरण बनाना उनके एजेंडे का अहम हिस्सा है लेकिन अब समय आ गया है कि हम केवल निंदा या औपचारिक विरोध से आगे बढ़ते हुए हर आतंकी घटना के बाद शोक, संवेदना और कड़ी प्रतिक्रियाओं की परिपाटी को ठोस सैन्य और कूटनीतिक रणनीतियों से बदल डालें और इजराइल तथा अमेरिका की तर्ज पर अपने नागरिकों के विरुद्ध हुए प्रत्येक हमले का निर्णायक और दीर्घकालिक जवाब दें। पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई में बैठे उन आकाओं को अब यह समझाने का समय आ गया है कि भारत केवल सहन करने वाला राष्ट्र नहीं है बल्कि निर्णायक प्रतिशोध लेने में भी सक्षम है।

यह हमला सामरिक दृष्टि से भी हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है कि चाहे सीमा पर कंटीले तार हों या एलओसी पर निगरानी ड्रोन, यदि भीतर बैठे स्लीपर सेल सक्रिय हैं तो सुरक्षा व्यवस्था को पुन: पूर्णरूपेण अभेद्य बनाने की सख्त आवश्यकता है। हमें अपने इंटेलीजेंस नेटवर्क को भी अब इतना तीव्र, तीक्ष्ण और सतर्क बनाना होगा कि आतंकी योजना अपने आरंभिक चरण में ही निष्फल कर दी जाए। सेना, अर्धसैनिक बलों और स्थानीय पुलिस को एकीकृत कमांड संरचना के अंतर्गत प्रशिक्षित करना होगा ताकि प्रतिक्रिया केवल हथियारबंद ही नहीं बल्कि रणनीतिक भी हो। इस हमले ने मानवीय दृष्टिकोण से एक बार फिर आम नागरिकों की पीड़ा को उजागर किया है। जिन सैलानियों ने पर्यटन को घाटी की बहाली का जरिया माना, जो स्थानीय दुकानदार अपने रोजगार की उम्मीद से दुकानें खोले बैठे थे और वे बच्चे, जो शांत माहौल में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे, सभी के सपनों पर इस हमले ने भय की कालिमा पोत दी।

ऐसे हमलों की आड़ में कुछ मानवाधिकार संगठनों और तथाकथित बुद्धिजीवियों का मुखर होना अब एक शातिर रणनीति बन चुकी है। जब सुरक्षाबल आतंकियों को निष्क्रिय करते हैं तो यही वर्ग उन्हें नागरिक' या क्रांतिकारी' बता देता है। इस दोहरेपन पर भी सख्ती से लगाम कसने की जरूरत है। बहरहाल, यह आवश्यक है कि इस हमले की तह तक जाकर केवल घटना नहीं बल्कि उसकी पृष्ठभूमि, योजना, वित्त पोषण और संलिप्त तत्वों को उजागर किया जाए। चाहे वे स्थानीय हों या विदेशी, प्रत्यक्ष हों या परोक्ष, उन्हें कानून, सैन्य शक्ति और कूटनीति के त्रिशूल' से जवाब मिलना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी भारत को इस मुद्दे को और आक्रामक रूप से उठाना होगा कि पाकिस्तान आज भी आतंक का सबसे बड़ा निर्यातक है। उसके विरुद्ध आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य प्रतिबंधों का माहौल बनाना होगा। बहरहाल, पहलगाम का यह हमला केवल एक आतंकी हमला नहीं है बल्कि हमारे धैर्य, शक्ति और चेतना की परीक्षा है। यह देश की संप्रभुता पर हमला है और इसका जवाब इतना कठोर, स्पष्ट और निर्णायक होना चाहिए कि भविष्य में कोई आतंकी या उसका पालक भारत की ओर आंख उठाकर देखने का साहस न कर सके। भारत को पूरी दुनिया को अब यह साबित कर दिखाना होगा कि वह आतंक के विरुद्ध केवल एक पीड़ित राष्ट्र नहीं है बल्कि एक प्रचंड प्रतिकारक शक्ति भी है।

नजरिया

जेनेरिक दवाओं का गोरखधंधा

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

हाल ही में मुझे खुद को एक अनुभव मिला जब मैंने डॉक्टर की लिखी दवा झ-छ-च – ऊ्ठ अपने मेडिकल स्टोर से खरीदी तो उसे छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ओन लाइन ढ्ळणए च-ऊसे मंगवाई तो 51 प्रतिशत कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी। इसी प्रकार जब डायबिटीज की गोली ऋडखत्रऋजनएछखद ऑनलाइन मंगवाने की सोची तो उसका भाव 640 रूपये दर्शाया गया था व 20 प्रतिशत छुट। उसके बाद भी तुर्रा यह कि उसे आउट ऑफ़ स्टॉक बताया गया था। (स्क्रीन शॉट साथ में है)। बाद में जब प्रधानमंत्री के जन औषधि केंद्र वाले दुकान पर उसकी तलाश की तो वही दवाई 230 रुपये में मिली और वहां भी गोली पर भाव 640 रुपये ही छपा था। इसके बाद मैंने तय किया कि इसके बारे में मैं विस्तार से तपशील करूँगा। मैं एक ही दवा को लेकर अलग-अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर गया। मैंने पाया कि एक ही दवा अलग-अलग दुकान पर अलग-अलग नामों से व भावों से बिक रही है। 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है। और पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन के एक लेख के अनुसार ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का 'केमिकल सॉल्ट' होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन यां डोलो -650 के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है।

गौरतलब है कि देश में जेनरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश जारी किया था। सरकार ने आदेश जारी कर सभी डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं पेशेंट्स के लिए लिखने को कहा था। सरकार ने सख्त होते हुए कहा कि अगर डॉक्टर पर्ची में जेनरिक दवा नहीं लिखी जाती तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए इस बात की वार्निंग दी थी कि जो कोई भी डॉक्टर जेनरिक दवाओं को अपने पर्ची में शामिल नहीं करेगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा सकता है।केंद्र सरकार ने सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों के डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं ही लिखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी की थी।पर न जाने क्यों यह आदेश समय के अनुसार धुंधला पड़ गया।

बताया जाता है कि सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी करती रहती है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की।ऐसा लगभग 10 साल से सुनते आ रहे हैं पर कानून अमली जामा कब पहनेगा मालूम नहीं ? इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने और सरकारी नीतियों में बदलाव को लेकर काम कर रहे जन स्वास्थ्य अभियान के डॉ. इंद्रनील मुखोपाध्याय बताते हैं- जेनेरिक दवाओं को लेकर भारत और विदेशों में काफी अंतर है। 200 प्रतिशत के बाद से पेटेंट कानून में कोई प्रभावी संशोधन नहीं हुआ। दूसरी बड़ी बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर होता है। खास तौर पर इनकी प्रिंट रेट और खरीद कीमत में भारी अंतर होता है। ऐसे में सरकार को इन दवाओं की एवरेज प्राइसिंग करनी चाहिए। इससे दवाओं की कीमतों में बड़ा फर्क आ जाएगा। अभी किसी भी मरीज का दवाओं पर औसत खर्च 180 प्रतिशत ज्यादा है। दवा कीमतों पर नियंत्रण के बाद इसमें भारी कमी आ जाएगी।

डॉ. मुखोपाध्याय बताते हैं कि जेनेरिक दवा ब्रांडेड भी होती है। एक ही कंपनी जेनेरिक और ब्रांडेड, दोनों दवाएं बनाती है, लेकिन उनकी कीमतों में काफी अंतर होता है। ऐसे में अगर सरकार लोगों को या मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाना चाहती है तो उनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। जेनेरिक दवाओं के मामले में भी बड़ा खेल होता है, खासतौर पर सरकारी खरीद या अस्पतालों में खरीदी जाने वाली दवाओं के मामलों में। ऐसे में इनकी कीमतों पर नियंत्रण ही मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने का रास्ता खोल सकता है। कई जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर जैसी बीमारियों में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे- एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज़ की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपए है, जबकि जेनरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपए महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं।

'नोवार्टिस की कैंसर की दवा ग्लीवियो' इमेटिनिब मिसाइलेट का एक महीने का खर्च 2,158 डॉलर यानी करीब 1.51 लाख रुपए पड़ता है, जबकि जेनरिक रूप में इसी दवा का खर्च 174 डॉलर प्रति माह (12,180 रुपए) है, यानी 12 गुना या 92 प्रतिशत से भी कम। ऐसे ही बेयर की कैंसर ड्रग सोराफेनिब टोसाइलेट, जिसे वह नेक्सावर के नाम से बेचती है, उसका एक महीने का खर्च करीब 5,030 डॉलर है, जबकि जेनरिक दवा लेने पर यही खर्च महज 122 डॉलर प्रति माह रह जाता है। जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स के मुताबिक, एक पेटेंट इनोवेटर को उस उत्पाद पर रिसर्च के दौरान किए गए खर्च या लागत को वसूलने और उससे लाभ हासिल करने की अनुमति देता है। जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी दवा के इनोवेटर या कंपनी उस दवा को बनाने से लेकर बाजार में उतारने और उसके बाद के 10-15 साल के दौरान करीब 80 करोड़ डॉलर यानी करीब 5,600 करोड़ रुपए खर्च करती है। ऐसे में पेटेंट के 20 साल के दौरान उसे इस खर्च को वसूलने और मुनाफा कमाने का मौका मिल जाता है।

डॉ. हेमंत जैन और डॉ. मुखोपाध्याय का कहना है कि अगर जेनेरिक दवा लिखना अनिवार्य होता है तो इसके साथ-साथ फार्मा सेक्टर में हजारों नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो जाएगा। इनके मुताबिक, एक दवा को कई कंपनियां बनाती हैं। उनके प्रचार-प्रसार या उन्हें प्रमोट करने के लिए भारी भरकम स्टाफ रखती है। इनमें सबसे ज्यादा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) हैं, जो डॉक्टर्स के पास विजिट कर उन्हें अपनी कंपनी की दवा लिखने को कहते हैं। कई डॉक्टर्स को इसके लिए बाकायदा कमीशन या महंगे-महंगे गिफ्ट तक दिए जाते हैं। ऐसे में डॉक्टर जब सिर्फ जेनेरिक दवा लिखेंगे, तो यह सब करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका दूसरा असर यह होगा कि ब्रांडिंग खत्म हो जाएगी तो दवा कंपनियों को प्रचार-प्रसार के लिए स्टाफ भी कम रखना पड़ेगा। कई लाख मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्ज की नौकरियां खतरे में आ जाएंगी। फार्मा और मेडिकल सेक्टर से जुड़ी डॉकप्लेक्सस के मुताबिक, बड़ी कंपनियों में से प्रत्येक अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए 5 हजार से ज्यादा फील्ड स्टाफ रखती है। इसके अलावा फार्मा कंपनियां कुल बजट का 20 प्रतिशत फील्ड स्टाफ की भर्ती और खर्च का 60 प्रतिशत फील्ड स्टाफ और उनसे जुड़ी गतिविधियों पर खर्च करती हैं।

इसका दूसरा पहलू भी है। ज्यादातर डॉक्टर्स सरकार की इस योजना का विरोध कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि ऐसे किसी कानून के लागू होने के बाद दवा से जुड़ी सभी शक्तियां केमिस्ट के हाथों में चली जाएंगी। उनकी दलील है कि डॉक्टर के जेनेरिक दवा लिखने के बाद केमिस्ट तय करेगा कि मरीज को कौन-सी दवा देनी है। ऐसी स्थिति में वह दवा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना वही दवा देगा, जिसकी बिक्री से उसे अधिक मार्जिन या मुनाफा हासिल होगा। फार्मा सेक्टर से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इसमें डॉक्टर्स को तो कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि उनके पास तो मरीज आते रहेंगे, लेकिन जनता को अच्छी गुणवत्ता की जेनेरिक दवा मिलेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके बाद दवा कंपनियां सीधे स्टॉकिस्ट या केमिस्ट से संपर्क करेंगी और उसे अपनी दवा बिक्री के लिए कई तरह के लालच दे सकती हैं, जिसका नुकसान आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को इस दिशा में भी सोच-विचार करना चाहिए।अब यह सरकार को तय करना है कि जिस कानून को वह साल दर साल दोहराती है उसे अमली जामा कैसे पहनाया जा सकता हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एआई से अनजान 60 प्रतिशत भारतीय, सिर्फ 31 प्रतिशत ने किया जेन-एआई का इस्तेमालः गूगल रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में लगभग 60 प्रतिशत लोग कृत्रिम मेधा (एआई) से परिचित ही नहीं हैं और सिर्फ 31 प्रतिशत लोगों ने ही सृजनात्मक एआई (जेन-एआई) के किसी उपकरण का इस्तेमाल किया है। गूगल और कांतार ने शुक्रवार को एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल और बाजार शोध कंपनी कांतार ने यहां एक कार्यक्रम में भारतीयों के बीच जेन-एआई अपनाने, उसकी क्षमता और प्रभाव को समझने के बारे में एक अध्ययन रिपोर्ट जारी की। इसके लिए 18 शहरों में 8,000 से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया गया।

रिपोर्ट में भारत में जेन-एआई अपनाने की व्यापक संभावना, जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ऐसे उपकरणों का उपयोग करने की लोगों की इच्छा और गूगल के एआई टूल 'जेमिनी' के पड़ रहे प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।

अध्ययन रिपोर्ट कहती है कि भारत में एआई को लेकर उत्साह बहुत ज्यादा है, लेकिन इसकी स्वीकार्यता के लिए अभी भी शुरुआती दौर है। भारत में 60 प्रतिशत लोग एआई से परिचित नहीं हैं, और सिर्फ 31 प्रतिशत लोगों ने ही जेन-एआई के किसी उपकरण का उपयोग किया है।

शोध में यह भी पता चला कि भारतीयों में सुधार और उत्कृष्टता प्राप्त करने की एक मज़बूत और सहज इच्छा है, जिसमें से 72 प्रतिशत लोग उत्पादकता बढ़ाने, 77 प्रतिशत लोग रचनात्मकता को बढ़ाने और 73 प्रतिशत लोग अपने दैनिक जीवन में अधिक प्रभावी ढंग से संवाद करने की तलाश में हैं।

इस मौके पर गूगल ने अपने सबसे बेहतरीन, अत्याधुनिक एआई मॉडल जेमिनी के नए फीचर भी पेश किए। इसमें जेमिनी में वीओ 2 शामिल है जो लोगों को सीधे उनके विचारों से शानदार वीडियो बनाने में मदद करता है। वहीं 'जेमिनी लाइव विद वीडियो' उपयोगकर्ताओं को सिर्फ अपने कैमरे का उपयोग करके अपने आस-पास की दुनिया के बारे में स्वाभाविक, वीडियो संवाद करने में सक्षम बनाता है।

वैज्ञानिक से शिक्षाविद तकः कस्तूरीरंगन की विरासत अंतरिक्ष क्षेत्र, शिक्षा सुधारों में कायम रहेगी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन ने भारत के अंतरिक्ष अभियानों से लेकर शिक्षा के क्षेत्र में सुधारों तक, अपनी अमिट छाप छोड़ी और देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को शानदार तरीके से आगे बढ़ाया।

कस्तूरीरंगन ने शुक्रवार पूर्वाह्न 10:43 बजे बेंगलूरु स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। 2023 में श्रीलंका में दिल का दौरा पड़ने के बाद से कस्तूरीरंगन अस्वस्थ थे और तब से वह सार्वजनिक रूप से कम ही नजर आते थे। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने 27 अगस्त 2003 को सेवानिवृत्त होने से पहले, इसरो अध्यक्ष, अंतरिक्ष आयोग के प्रमुख और अंतरिक्ष विभाग के सचिव के रूप में नौ वर्षों से अधिक समय तक भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को शानदार तरीके से आगे बढ़ाया।

वह भारत के पहले दो प्रायोगिक भू अवलोकन उपग्रहों – भास्कर 1 और 2 के लिए परियोजना निदेशक थे। बाद में, उपयोग में लाये गए पहले भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह, आईआरएस-1 ए को समग्र दिशानिर्देश देने की जिम्मेदारी भी उन्होंने निभाई।

कस्तूरीरंगन ने बंबई विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक और परास्नातक डिग्री हासिल की तथा 1971 में अहमदाबाद के भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में काम करते हुए प्रायोगिक उच्च-ऊर्जा खगोल विज्ञान में पीएचडी की।

उन्हें भारत के महत्वपूर्ण प्रक्षेपण यान, ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के सफल प्रक्षेपण और परिचालन तथा अत्यंत महत्वपूर्ण भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) की प्रथम सफल उड़ान परीक्षण का श्रेय दिया जाता है। भारत की सबसे महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष-आधारित उच्च-ऊर्जा खगोल विज्ञान वेधशाला को आकार देना और उससे संबंधित गतिविधियों की शुरुआत करना भी उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शुमार है।

कस्तूरीरंगन ने ब्रह्मांडीय एक्स-रे और गामा-रे स्रोतों और निचले वायुमंडल में ब्रह्मांडीय एक्स-रे के प्रभाव के अध्ययन में व्यापक और महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें पद्म श्री (1982), पद्म भूषण (1992) और पद्म विभूषण (2000) से सम्मानित किया गया। लगभग 35 वर्षों तक इसरो से जुड़े रहने और 1994 से 2003 तक इसका नेतृत्व करने के बाद, कस्तूरीरंगन 2003 से 2009 तक राज्यसभा सदस्य रहे थे और इसी अवधि के दौरान उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के निदेशक के रूप में भी सेवा दी।

वह 2009 से 2014 तक तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के तहत योजना आयोग (नीति आयोग के पूर्ववर्ती) के सदस्य थे।

आतंकवादियों ने एक युवक को मेरी आंखों के सामने मार डाला : हमले के पीड़ित

भावनगर/भाषा। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में घायल हुए गुजरात के भावनगर निवासी विनुभाई डाभी और उनकी पत्नी लीलाबेन ने इस वीभत्स हमले के उस दर्दनाक क्षण को शुक्रवार को याद किया, जिसमें उन्होंने एक युवक को आतंकवादियों की गोलियों का शिकार होते हुए देखा था।

डाभी (55) और उनकी पत्नी उन 20 लोगों में शामिल थे, जो 16 अप्रैल को श्रीनगर में प्रवचनकर्ता मोरारी बापू का प्रवचन सुनने के लिए केंद्र शासित प्रदेश गए थे।

डाभी ने बृहस्पतिवार रात को यहां पहुंचने के बाद उनके आवास पर मौजूद संवाददाताओं से कहा, ''जब हमें गोलीबारी के बारे में पता चला तो सभी अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। मैं अपनी पत्नी से अलग हो गया था। जो लोग दुर्भाग्य से पीछे रह गए आतंकवादियों ने उन्हें मार डाला। जब मैं भाग रहा था तो एक गोली मेरे दाहिने हाथ में लगी, जबकि दूसरी मेरे बाएं कंधे को छूती हुई निकल गई। गोली लगने से मुझे मामूली चोट पहुंची।'' उन्होंने बताया, ''जब मैं आखिरकार अपनी पत्नी से मिला तो वह मेरी खून से सनी शर्ट और गोली के घाव को देखकर तीन बार बेहोश होकर गिर पड़ी थी। हम किसी तरह बचकर पहाड़ी की तलहटी पर पहुंचे, जहां सेना के जवान मुझे अस्पताल ले गए। मैं तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती रहा था।''

लीलाबेन ने नम आंखों से बताया कि इस हमले के दौरान जब वह अपने पति से अलग हो गई थीं तब उन्होंने देखा कि एक आतंकवादी ने किस तरह से 20 वर्षीय स्मित परमार की गोली मारकर हत्या कर दी।

पहलगाम की ''मिनी स्विटजरलैंड'' कही जाने वाली बैसरन घाटी पर मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में स्मित और उनके पिता यश परमार सहित 26 लोगों की जान चली गई।

अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर व्हाइट में श्री श्री रविशंकर की भूमिका में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

मुंबई/एजेन्सी

पठान, वॉर और फाइटर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्म निर्माता सिद्धार्थ आनंद अपनी प्रोडक्शन कंपनी मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत और ऊंचाई व नागजिला जैसी फिल्मों के निर्माता महावीर जैन की महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर अपनी अगली महत्वाकांक्षी फिल्म की घोषणा की एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट जिसका नाम है व्हाइट। व्हाइट एक बेहद रोमांचक वैश्विक थ्रिलर है, जिसमें बहुमुखी अभिनेता विक्रांत मैसी प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की तैयारी कोलंबिया में चल रही है और इसकी शूटिंग जुलाई से शुरू होने की योजना है। यह फिल्म एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टीम को एक साथ लाकर उस प्रेरणादायक कहानी को पर्दे पर लाएगी कि कैसे कोलंबिया के 52 साल लंबे क्रूर गृहयुद्ध का अंत हुआ। एक ऐसा अध्याय जो आज भी दुनियाभर में बहुत कम जाना जाता है।

विक्रांत मैसी के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की अटकलें तब शुरू हुईं जब उन्हें लंबे बालों और शारीरिक बदलावों के साथ देखा गया जो उनके एक गहन आध्यात्मिक किरदार की तैयारी का संकेत दे रहे थे। 12वीं फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए प्रशंसा पा चुके विक्रांत मैसी लगातार अपने ट्रांसफॉर्मेशन से दर्शकों को प्रभावित कर रहे हैं। व्हाइट का निर्देशन प्रसिद्ध ऐड फिल्ममेकर मोंटू बासी कर रहे हैं और इसका सह-निर्माण पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ-साथ सिद्धार्थ आनंद और महावीर जैन कर रहे हैं।

सिद्धार्थ आनंद की व्हाइट इस बात पर प्रकाश डालने का प्रयास करती है कि कैसे प्राचीन भारतीय ज्ञान ने इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों में से एक को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिनेमा और कहानी कहने की कला में माहिर क्रिएटर्स की इस टीम के साथ, व्हाइट भारत की ओर से एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट बनने जा रही है– जो शांति और मानवता की एक अनकही कहानी को वैश्विक मंच पर लाने का कार्य करेगी।

'मालिक' की रिलीज डेट बदली

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव पिछले काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूल चुक माफ' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं 'मालिक' में गैंगस्टर रोल को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फैंस उनकी फिल्मों को लेकर काफी उत्साहित हैं। 'मालिक' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसके बाद दर्शकों को अब इस फिल्म का और इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल, फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। मेकर्स ने पहले फिल्म का पोस्टर जारी किया था, जिसमें राजकुमार गाड़ी के ऊपर खड़े हुए हैं और हाथ में बंदूक भी पकड़ी हुई है। इस पोस्टर के ऊपर टैगलाइन है– 'मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं।' इस पोस्टर के साथ रिलीज डेट का भी एलान किया गया था।

मेकर्स ने कैप्शन में लिखा था, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक! 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में राजकुमार राव मालिक के रूप में आने के लिए तैयार हैं।'' लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। यह फिल्म अब 11 जुलाई को रिलीज होगी, यानी राजकुमार राव का रौब, रुतबा और राज 'मालिक' के जरिए जुलाई में देखने को मिलेगा। राजकुमार के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई अवॉर्ड्स भी अपने नाम किए हैं। उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर'– पार्ट 2 और 'तलाश द आंसर लाइज विदिन' जैसी फिल्मों में छोटे-छोटे रोल निभाए। लेकिन किस्मत उनकी 2013 में पलटी, जब वह 'काई पो चे' और 'शाहिद' जैसी फिल्मों में नजर आए। वह 'क्वीन', 'अलीगढ़', 'बरेली की बर्फी', 'ट्रैप्ड', 'न्यूटन', 'द व्हाइट टाइगर', 'लूडो', 'छलांग', 'भीड़', 'मोनिका, ओ माई डार्लिंग', 'बधाई दो' और 'स्त्री-1 और 2' जैसी हिट फिल्में कर चुके हैं।

वेबसीरीज 'मटका किंग' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा की आने वाली वेबसीरीज मटका किंग की शूटिंग पूरी हो गयी है। नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित वेब सीरीज मटका किंग 1960 के दशक की मुंबई की दुनिया और मटका जुए की रोमांचक कहानी पर आधारित है।

विजय वर्मा इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। विजय वर्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खास मटका केक की तस्वीर शेयर कर शूटिंग पूरी होने की खुशी जाहिर की। विजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर मटके की तस्वीर लगाई, जिस पर लाल कपड़ा ढका हुआ है। विजय वर्मा ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर मटका के आकार के केक की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मटका किंग रैप्ड! इस सीरीज में विजय के अलावा कृतिका कामरा, साईं ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'मटका किंग' को सिद्धार्थ रॉय कपूर की रॉय कपूर फिल्म्स ने बनाया है और यह अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

विवादित बयान देकर बुरे फंसे अनुराग कश्यप, कोर्ट ने जारी किया नोटिस

सूरत/एजेन्सी

ब्राह्मणों पर किए गए विवादित बयान को लेकर फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप ने भले ही माफी मांग ली हो, मगर उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। देश भर में विरोध के बाद अब सूरत की ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (जेएमएफसी) कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर पेश होने का आदेश दिया है। सूरत की जेएमएफसी कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर 7 मई को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। यह नोटिस ब्राह्मण समाज की ओर से सूरत के वकील कमलेश रावल की शिकायत के बाद जारी की गई है। कोर्ट में शिकायत करने वाले एडवोकेट कमलेश रावल ने अनुराग कश्यप के सोशल मीडिया पोस्ट और माफीनामे को सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया।

कमलेश रावल ने बताया, हाल ही में अनुराग कश्यप ने सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ भद्दा कमेंट किया था। आदित्य दत्ता नाम के व्यक्ति ने जब कश्यप को यह सब न कहने के लिए

कहा तो उन्होंने गाली देकर विवादित टिप्पणी की। मैंने मामले की शिकायत की है, जिसे लेकर अनुराग कश्यप को सात मई को कोर्ट में हाजिर होने के लिए नोटिस दिया गया है। 7 मई को अनुराग कश्यप या उनके वकील को कोर्ट में हाजिर होना है। यदि वह कोर्ट में हाजिर नहीं होते हैं तो कोर्ट एकतरफा फैसला सुना सकता है। फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का ब्राह्मणों पर दिया गया विवादित बयान तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट कर कश्यप ने दोबारा आहत लोगों से माफी मांगी थी। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें। माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

प्रार्थना

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन शुक्रवार को मुंबई में आर्कबिशप हाउस में पोप फ्रांसिस के निधन के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

रितेश देशमुख की फिल्म की शूटिंग कर रहा नर्तक की नदी में डूबने से मौत, दो दिन बाद मिला शव

मुंबई/भाषा। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' की कोरियोग्राफी टीम का हिस्सा रहे 26 वर्षीय एक नर्तक की एक गाने की शूटिंग खत्म करने के बाद कृष्णा नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान सौरभ शर्मा के रूप में हुई है, जिसका शव बृहस्पतिवार सुबह बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि सौरभ दो दिन से लापता था।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को सतारा जिले में कृष्णा और वेन्ना नदियों के संगम पर स्थित संगम माहुली गांव में उस समय हुई, जब 'राजा शिवाजी' फिल्म की शूटिंग हो रही थी। उन्होंने बताया कि गाने की शूटिंग खत्म करने के बाद सौरभ कृष्णा नदी में हाथ धोने चले गए।

अधिकारी ने बताया कि हाथ धोने के बाद वह तैरने के लिए गहरे पानी में उतर गए लेकिन तेज धारा में बह गए।

पुलिस और जिला प्रशासन को लापता नर्तक के बारे में सूचना दी गई, जिसके बाद स्थानीय निजी संगठनों के सदस्यों सहित आपदा प्रतिक्रिया और बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा तलाशी अभियान शुरू किया।

अधिकारी ने बताया कि अंधेरे के कारण मंगलवार रात को तलाशी व बचाव अभियान रोक दिया गया और बुधवार सुबह फिर शुरू किया गया, जो पूरे दिन चला लेकिन नर्तक का पता नहीं चल सका। उन्होंने बताया कि सौरभ का शव आखिरकार पुलिस और बचाव दल ने बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे नदी से बरामद कर लिया। अधिकारी ने बताया कि सतारा पुलिस दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित मराठी और हिंदी फिल्म 'राजा शिवाजी' का निर्देशन रितेश देशमुख कर रहे हैं, साथ ही वह फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं।

सचिन पिलगांवकर बने 'शिर्डी वाले साईं बाबा' के सूत्रधार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने चरित्र अभिनेता सचिन पिलगांवकर शो 'शिर्डी वाले साईं बाबा' के सूत्रधार बन गए हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का नवीनतम शो शिर्डी वाले साईं बाबा दर्शकों को आस्था और आत्म-परिवर्तन की एक गहन यात्रा पर ले जाने का वादा करता है। साईं बाबा की अमर शिक्षाओं पर आधारित यह शो अब और भी समृद्ध होने जा रहा है, क्योंकि इसमें प्रतिष्ठित बहुआयामी कलाकार सचिन पिलगांवकर सूत्रधार के रूप में शामिल हो रहे हैं। सूत्रधार के रूप में सचिन पिलगांवकर हर एपिसोड में दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे, यह समझाते हुए कि साईं बाबा के सरल लेकिन प्रभावशाली संदेश आज के समय में भी कितने प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं।

सचिन पिलगांवकर ने कहा, यह मेरे लिए सिर्फ एक पेशेवर उपलब्धि नहीं है, यह एक गहरी भक्ति है। मैं हमेशा से साईं बाबा का एक समर्पित अनुयायी रहा हूँ। उनकी शिक्षाओं ने मेरे जीवन में निरंतर शक्ति और मार्गदर्शन किया

है। जब मुझे इस शो का सूत्रधार बनने को कहा गया, तो मेरे लिए यह एक पेशेवर सेवा से कहीं ज़्यादा था। ऐसा लगा कि मैं सूत्रधार बनकर मेरी आस्था को एक कदम आगे लेकर जा रहा हूं। मैं बाबा के ज्ञान की सादगी, गहराई और कालातीत प्रासंगिकता को व्यक्त करना चाहता हूँ। लोगों को याद दिलाना चाहता हूँ कि उनके प्रेम, करुणा और विनम्रता के मूल्यों की आज पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरत है। शिर्डी वाले साईं बाबा, हर सोमवार से शुक्रवार, शाम 7 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

अंकिता लोखंडे ने शेयर की अपने पापा से जुड़ी खास यादें

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहतरीन एक्टिंग और स्टाइलिश लुक्स के लिए जानी जाती हैं। वह जितनी सुंदर मॉडर्न आउटफिट्स में लगती हैं, उससे कहीं ज्यादा खूबसूरत साड़ी में दिखती हैं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंकिता ने इंस्टाग्राम पर अपना नया फोटोशूट फैंस के साथ शेयर किया। फोटो में वह ब्लैक प्रिंटेड फ्लोरल साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इस साड़ी के साथ फुल स्लीव्स ब्लाउज पहना हुआ है। वहीं बड़े ईयररिंग्स के साथ बालों का बन बनाया हुआ है। फोटो में वह अपनी कातिलाना अदाओं से लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। इस पोस्ट में उन्होंने उर्मिला मातोंडकर की फिल्म 'रंगीला' के टाइटल सॉन्ग का इस्तेमाल किया है।

इस गाने को आशा भोसले और

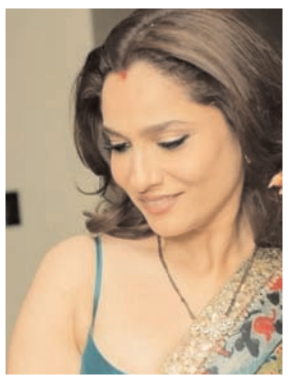

आदित्य नारायण ने गाया है, वहीं म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है। पोस्ट में उन्होंने कुछ पुरानी फोटो शेयर कीं, जो उनके पिता ने खींची थीं। इसके साथ उन्होंने लिखा– 'मैं बनूंगी मिस स्टार ऑफ द वर्ल्ड' अपने कैप्शन में अंकिता ने लिखा– 'बचपन के सपने को साकार करना वाकई बहुत बड़ी बात है। खास तौर पर यह गाना और इस पोस्ट की आखिरी तस्वीर, जो मेरे पापा ने ली थी.. क्या यादें हैं।' वर्क फ्रंट की बात करें तो अंकिता अपने पति विक्की जैन के साथ इन दिनों 'लाफ्टर शेफ्स' में नजर आ रही हैं। शो में दोनों की नोक-झोंक फैंस को खूब पसंद आती है। बता दें कि अंकिता का असली नाम तनुजा लोखंडे है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार की खोज' नाम के रियलिटी शो से की थी। इसमें वह कंटेस्टेंट थीं। इसके बाद 2009 में उन्हें एकता कपूर का सीरियल 'पवित्र रिश्ता' ऑफर हुआ, जिसमें उन्होंने अर्चना देशमुख का रोल निभाया और घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इस शो में उनके अपोजिट सुशांत सिंह राजपूत थे।

स्मॉल स्क्रीन पर छाने के बाद उन्होंने बिग स्क्रीन पर भी किस्मत आजमाई। कंगना रनौत की फिल्म 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी' में झलकारी बाई का किरदार निभाया। इसके अलावा, वह टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'बागी 3' का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

मायावरम् में दीक्षार्थियों की शोभायात्रा निकली

आगामी 14 मई को बिजयनगर में होगी दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मायावरम। अखिल भारतीय नानक प्राज्ञ संघ मायावरम के तत्वावधान एवं सकल जैन संघ के सानिध्य में दीक्षार्थी बंधु दौलत तातेड एवं ज्ञान चंद भंडारी ब्यावर निवासी का वरघोड़ा मुख्य मार्ग से निकाला गया और अभिनंदन समारोह रखा गया। जिनकी दीक्षा आगामी 14 मई को बिजयनगर राजस्थान में प्रवर्तनी डॉ. दर्शन लताजी म.सा. के मुखारविंद से संपन्न होने जा रही है।

दौलतराज करोड़ों की दौलत एवं भरा पूरा परिवार छोड़कर संसार की नश्वरता को समझते हुए इस संयम पद की ओर अग्रसर हो रहे हैं साथ ही साथ ज्ञानचंद भंडारी भी दीक्षित हो रहे हैं। अभिनंदन समारोह में नानक प्राज्ञ जैन संघ के श्रद्धालु श्रावक श्राविकाओं द्वारा दीक्षार्थीओं का सम्मान किया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में भक्तजन पधारे जिससे संघ की गरिमा में चार चांद लगे।

भिनन्दन समारोह के मुख्य अतिथि भामाशाह अगरचद चोरड़िया थे। इस समारोह में सीरकाली, कोलीडम, काटमिनार कोइल, विरदाचलम, कार्यकाल, तिरुतरपून्डी जयकोंडम आदि आसपास के कई स्थानों से श्रद्धालुगण उपस्थित हुए। सभा का प्रारंभ मंगलाचरण एवं स्वागत गीत से नानक प्राज्ञ महिला संघ कि महिलाओं द्वारा किया गया।

सभा को संबोधित किया समारोह के मुख्य अतिथि भामाशाह अगंरचद सा चोरड़िया, सुनील हिंगड़, नैतिक जैन जीनल जैन, समता बोहरा, खुशबू, मोनिका प्रियंका, सोनम, दिपम, भावना मेडतवाल, भट्टुसिह रेदासनी, जितेन्द्र बाबेल, ममता श्रीश्रीमाल, धनराज चौधरी, नितेश भन्साली, धीरज डोसी, अरिहंत सुमन सांखला, प्रियंका जैन ने संबोधित किया ओर संयम जीवन पर प्रकाश डाला एवं दीक्षार्थियों ने विचार रखें। कार्यक्रम में पुखराज बांठिया, अध्यक्ष किशोर तातेड, अनिल सेठी, मुन्नालाल श्रीमाल, अजित श्रीश्रीमाल, राजेन्द्र डुंगरवाल, सुरेश बोहरा, प्रकाश श्रीश्रीमाल, सुनील हिंगड़ मनोज मेडतवाल, राजकुमार नाहर, राजकुमार बरडिया, मुकेश लोढ़ा, मनीष चोरड़िया, अनिल छाजेड़आदि सदस्य उपस्थित थे। मनोज जैन ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया। सभा का संचालन राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन मनोज जैन ने किया।

लायंस क्लब ने 190 छात्रों को छात्रवृत्ति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां लायंस क्लब मीनमबाकम ने 190 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की। लायंस क्लब मीनमबाकम के तत्वावधान में मोतीलाल फोमरा स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में 190 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंजु सारडा द्वारा प्रार्थना के साथ हुआ, और नीलेश जैन ने फ्लैग सैल्यूटेशन पढ़ा।

इस अवसर पर, पहलगांव हत्याकांड और विश्व शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। अध्यक्ष संजय जैन ने सभी दानदाताओं को धन्यवाद दिया और उन्हें इस अभियान में हर साल जुड़ने का आग्रह किया। डायमंड जुबली चेयरमैन जयंतीलाल तेलीसरा ने बताया कि लायंस क्लब मीनमबाकम पिछले 60 वर्षों से मानव सेवा में अपना योगदान दे रहा है, जिसमें लायंस चिन्माया हॉस्पिटल का संचालन, 108 विशेष बच्चों के लिए अयोध्या दर्शन और भ्रमण का आयोजन, और इस वर्ष 10 हजार स्कूली बच्चों की आंखों की जांच और चश्मों का वितरण शामिल है। मुख्य अतिथि विजय कुमार माहेश्वरी ने लायंस क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की। प्रोजेक्ट चेयरमैन राजेश सुराणा ने बताया कि इस बार विभिन्न स्कूलों के 190 विद्यार्थियों को 7 लाख रुपये की राशि चेक द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने छात्रों से भविष्य में उन्नति करने और पुनः किसी जरूरतमंद विद्यार्थी को छात्रवृत्ति प्रदान करने या रक्तदान करके अपना कर्ज और फर्ज अदा करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अनिल जैन, महावीर जैन, किरण गोगड़, ग्रीष्मा राठी, सुरेश जैन, किशोर जैन, रणजीत मेहता,जीतू माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा। समाज से भी कई लोग उपस्थित थे, जिनमें ए.जी जैन स्कूल के महामंत्री दलजीत ढरडा, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष प्रवीण मुनोठ और सुरेश गादिया शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन सचिव निलेश जैन ने दिया। सभी छात्रों और अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई और उपहार में लंच बॉक्स दिया गया।

भगवान महावीर की वाणी नर को नारायण बनाने वाली है : मुनि जयधुरन्धर

आज निकलेगी अहिंसा व पर्यावरण सुरक्षा यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रजी, महासती शशिप्रभाजी व जैन समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिजी के सान्निध्य में पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम में गतिमान दस दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर में आठवें दिन अपने प्रवचन में जयधुरन्धरमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर की वाणी नर को नारायण बनाने वाली है। जो भगवान महावीर की वाणी का श्रवण करता है वह नरक, तिर्यंच, मनुष्य, देव चारों गति से छुटकारा पा सकता है। तिर्यंच के जीव 11 व्रत स्वीकार कर लें, बारहवें व्रत की भावना भी कर लें पर सुपात्र दान नहीं दे सकते। मनुष्य ही ऐसा भव है जिसमें हम दान, शील, तप, भावना की उपासना कर सकते हैं। मुनिश्री ने मनुष्य जीवन का मोल समझाते हुए बताया कि संयम मोक्ष जाने की नौका है, संयम रूपी हीरे जैसे अनमोल रत्न को हमें यूं ही नहीं गंवाना चाहिए। उन्होंने दोहा रात गँवाई सोयकर, दिवस गँवायो खाय। हीर जनम अनमोलियो, कोडी बदले जाय यानी हीरे के समान अनमोल मनुष्य जन्म को पाकर चौरासी के चक्कर में हमें मनुष्य जीवन यूं ही नहीं गँवाना चाहिए। उन्होंने चार प्रश्नों के माध्यम से समझाया कि मनुष्य जन्म खाने के लिए नहीं मिला, मौज मस्ती के लिए नहीं मिला, धन कमाने के लिए नहीं मिला, लालन पालन के लिए नहीं मिला, मनुष्य जन्म मिला है तो संयम लेने के लिए।

शिविर में शुक्रवार को ज्ञान सरोवर इंटरनेशनल स्कूल, मैसूरु के संस्थापक एवं जेडीएस पार्टी के प्रान्तीय उपाध्यक्ष सुधाकरशेट्टी एवं उनकी धर्मपत्नी सुखलता शेट्टी अवलोकनार्थ आए जिनका सम्मान चंपालाल बेताला, हुक्मीचंद लूंकड़, अरुण गोटावत सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। साथ ही मैसूर से आए अशोक नंगावत एवं महावीरचंद भंसाली का भी स्वागत किया। सुधाकर शेट्टी ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि जब से वर्ष 2008 और 2010 में मैसूर स्थित उनके ज्ञान सरोवर इंटरनेशनल स्कूल में जयमल जैन संस्कार शिविर का आयोजन हुआ, तब से उनका स्कूल की खूब तरक्की कर रहा है ।शुक्रवार को शिविर की पूर्ण कालिक परीक्षा का आयोजन हुआ ।

शिविरार्थियों ने भ्रूणहत्या महापाप एवं मांसाहार के त्याग पर नाटिका प्रस्तुत की जिससे प्रेरित होकर आचार्य प्रवर के मुखारविंद से लगभग सभी शिविरार्थियों ने शाकाहार-मांसाहार की सम्मिलित होटल का त्याग स्वेच्छा से किया। गत दिवस जय जाप समिति के चेयरमैन शान्तिलाल चोपड़ा के दिशा निर्देशन में करीब 10 घंटे का जय जाप का आयोजन हुआ।

शनिवार को प्रातः अहिंसा एवं पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देने हेतु शिविरार्थियों द्वारा फ्रीडम पार्क से अहिंसा एवं पर्यावरण सुरक्षा रैली का आयोजन होगा आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने मांगलिक प्रदान किया एवं कई शिविरार्थियों ने उपवास, एकासन, आयंबिल, बेला आदि के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। शिविर में जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, एलएन पुरम ने अपनी सेवाएं दी।

ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में स्थानीय प्रवासियों ने तुत्तकुडी से सांसद और द्रमुक पार्टी की सह सचिव एवं लोकसभा में द्रमुक सांसदों की अध्यक्ष कनिमोली करुणानिधि का स्वागत करते हुए उनसे कोयंबटूर से राजस्थान के मुख्य शहरों को जोड़ने वाली यात्री गाड़ी संख्या 22475/22476 के फेरे बढ़ाने की मांग की और प्रवासियों के कई सालों की मांग पूर्ण करने की पुरजोर अनुशंसा की। इस अवसर पर गोपाल सिंह अराबा, डालू सिंह, प्रताप सिंह, भगीरथ सिंह, कान सिंह, सुरेश सिंह वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबतूर) के संस्थापक राजेश कुमार गादिया आदि ने सांसद कनिमोली का पारंपरिक राजस्थानी साफा, पुष्प गुच्छ व शाल अर्पण से अभिनंदन किया। कनिमोली ने प्रवासी बंधुओं से कहा कि वह निश्चय ही रेल मंत्री से इस बाबत बात करेंगी और संसद में मांग उठाएगी। प्रवासियों के साथ कोयंबटूर द्रविड़ मुनेत्र कलगम के महासचिव कार्तिक,वार्ड सचिव सुरेश नारायणन, वार्ड पार्षद शर्मीला सुरेश नारायणन ने भी समर्थन कर सांसद से शीघ्र क्रियान्वयन की मांग रखी।

पहलगाम में हुए नरसंहार के विरोध में केआर पुरम में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और भाजपा द्वारा विशाल प्रदर्शन एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के विरोध में गुरुवार शाम को केआर पुरम स्थित बीबीएमपी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और मृतकों को श्रद्धांजलि दी। सभा का आयोजन भाजपा, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस प्रदर्शन में सैंकड़ों की संख्या में देशभक्त नागरिक, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग सम्मिलित हुए और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद व जिहादी मानसिकता के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट किया।

प्रदर्शन में वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद मूर्ति, आरएसएस के प्रकाश, क्षेत्र के भाजपा अध्यक्ष मानेगौड़ा, पूर्व बीबीएमपी सदस्य श्रीकांत, भाजपा महासचिव के. श्रीरामुलु, हाईटेक एक्स-सर्विसमैन संगठन के संस्थापक अनिलसिंह सिकरवार सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

सभी वक्ताओं ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और देश को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम उठाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में मोमबत्ती जलाकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

राजस्थान हेतु अतिरिक्त ट्रेन के साथ अन्य सुविधाओं के लिए डीआरएम से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य भरतकुमार जैन एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य सिद्धार्थ बोहरा ने बेंगलूरु मंडल के नव नियुक्त रेलमंडल प्रबंधक आशुतोष सिंह से भेट कर यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न मांगे रखी। उन्होंने यात्रियों की अधिकता को देखते हुए डीआरएम से राजस्थान के लिए एक दैनिक अतिरिक्त ट्रेन के संचालन की मांग रखी, साथ ही उन्होंने जैन धर्म के मन प्रमुख तीर्थ पालीताणा हेतु सीधी ट्रेन की मांग की। उन्होंने बेंगलूरु स्टेशन पर यात्रियों के बैठने की सुविधा बढ़ाने के साथ धूप व बारिश से बचाव हेतु सभी प्लेटफार्म पर पूर्ण रूप से छत की मांग रखी। इसके अलावा दोनों सदस्यों ने यशवंतपुर से बाड़मेर के लिए संचालित साप्ताहिक ट्रेन 14805/06 को प्रतिदिन संचालित करने की मांग भी रखी तथा सिटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 9 पर स्वचालित सीढ़ियों को ठीक कराने का अनुरोध किया।

उन्होंने व्यापारियों के लिए बेंगलूरु-मुंबई रूट पर एक्सप्रेस कॉरिडोर बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। बेंगलूरु रेलवे मंडल प्रबंधक सिंह ने सकारात्म कार्यवाही का आश्वासन दिया। सदस्यों द्वारा मंडल प्रबंधक का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु रेलवे मंडल के वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक डा. एएम कृष्णा रेड्डी भी मौजूद थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेसी रोड स्थित कन्नड़ भवन नयना सभागार में गुरुवार को कर्नाटक प्रेस क्लब द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पालनहल्ली मठाधीश सिद्धराजू स्वामी, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री श्रुति, विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। बाल कलाकारों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा देने वाले गणमान्य लोगों को कर्नाटक प्रेस क्लब के रमेश एवं अतिथियों ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने अतिथियों का भी सम्मान किया।

इस्लाम को आतंकवाद से बचाना है तो धर्म में आध्यात्मिकता लायें : बाबा रामदेव

नई दिल्ली । पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को क्रूरता की पराकाष्ठा बताते हुए योग गुरू बाबा रामदेव ने शुक्रवार को कहा कि वह पूरी दुनिया, खासकर मुस्लिमों से आह्वान करना चाहते हैं कि धर्म को आतंकवाद से मुक्त करना है तो उसमें आध्यात्म का समावेश करें ।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों के हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

यहां दूसरी एशियाई योगासन चैम्पियनशिप के उद्घाटन के मौके पर विश्व योगासन के अध्यक्ष रामदेव ने कहा,'' एक बहुत दुखद घटना हुई जो क्रूरता की पराकाष्ठा थी... वह भी एक धर्म को, एक देश को, एक संस्कृति को निशाना बनाकर।'' उन्होंने कहा ,'' मैं आज पूरे विश्व से यह भी आह्वान करना चाहता हूं, खासकर मुसलमान भाइयों से कहना चाहता हूं कि अगर इस्लाम को, मुसलमान और कुरान को आतंक और आतंकवाद से मुक्त करना चाहते हैं तो धर्म में आध्यात्मिकता को लायें। धर्म में आध्यात्म का सेतु बनेगा तो कहां कोई हिंसा रहेगी।'' उन्होंने कहा,'' दुनिया भर में युद्ध, क्रूरता और हिंसा की घटनायें बढ़ रहीं हैं और इन सभी का हल योग और आध्यात्म ही है।'' उन्होंने कहा,'' योग हमारी प्रकृति है और हमारी संस्कृति भी। इससे शरीर में ही लचीलापन नहीं आता बल्कि मन में भी विनम्रता और जीवन में सहनशीलता आती है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.